



Div: 1
Acc. No. REGISTERED No. D-(D)-73
Doc. No. 100-11099
Cont. No. 1413-78
P.T. No. 1413-78
Checked

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 1] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 1, 1977 (पौष 11, 1898)
No. 1] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 1, 1977 (PAUSA 11, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 दिसम्बर 1976

सं० पी०/271-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग की सम-संख्यक अधिसूचना दिनांक 18-10-76 के अधिकरण में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी अवर सचिव श्री एस० पी० चक्रवर्ती को 4 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न से 3 मास की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में सामान्य प्रतिनियुक्ति शर्तों पर विशेष कार्य अधिकारी (गोपनीय) के पद पर नियुक्त किया गया है।

प्र० ना० मुखर्जी, अवर सचिव

हुते अध्यक्ष

संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1976

सं० पी० एस०/एस-9/70-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस० के० दत्ता, भारतीय पुलिस सेवा (उत्तर प्रदेश-1—396 जी०आई०/76

1959) को दिनांक 8 नवम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो नियुक्त करते हैं।

पी० एस० निगम,

प्रशासन अधिकारी (स्था०)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

सं० 2/39/76 प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री बी० के० गुप्ता, आई० आर० एस, को 4 दिसम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से विभागीय जांच आयुक्त नियुक्त करते हैं।

सी० नारायणस्वामी,

उप-सचिव

हुते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

सं० ओ० 91/69-स्थापना—ले० क० वी० डी० भोंसले का पुनियुक्ति का समय समाप्त होने पर उन्होंने कमाण्डेंट, ग्रुप सेंटर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल नागपुर के पद का कार्यभार दिनांक 2 जुलाई, 1976 अपराह्न को त्याग दिया।

सं० ओ०-II-280/69-स्थापना—श्री कश्मीरा सिंह राना, सहायक कमाण्डेंट ग्रुप सेंटर नं० 2, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, अजमेर दिनांक 6 नवम्बर, 1976 के अपराह्न से सरकारी सेवा में नियुक्त हो गये।

दिनांक 13 दिसम्बर 1976

सं० ओ०-II-246/76-स्थापना—श्री के० कर्नाकरन नायर ने उनके वार्षिक आयु के पश्चात् दिए जाने वाले अतिरिक्त सेवा समय की समाप्ति पर उप-पुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) 18 वीं वाहिनी, के० रि० पु०-दल के पद का कार्यभार 14-11-76 अपराह्न को त्याग दिया।

दिनांक 15 दिसम्बर 1976

सं० ओ० II-25/75-स्थापना—राष्ट्रपति, कर्नल वाई० एस० अवस्थी कमाण्डेंट सिगनल ग्रुप सेंटर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स का त्याग पत्र दिनांक 11-11-76 (अपराह्न) से मंजूर करते हैं।

सं० ओ०-2/1024-72-स्थापना—श्री दीपक चौपड़ा, उप-पुलिस अधीक्षक, ई० डी० पी० सेल, महानिदेशालय, के० रि० पु० दल की सेवाएं 1-12-1976 से महानिदेशालय समन्वय पुलिस कमप्लेक्स, गृह मंत्रालय को सौंपी जाती हैं।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
कार्यालय: महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

सं० प्रशासन-I/5-5/पदोन्नति/76-77/कार्या०-आदेश- 1001/2476—श्री शान्ति प्रसाद, स्थायी लेखा अधिकारी अधिवाषिकी (सुपरनुएशन) की आयु प्राप्त करने के फलस्वरूप 30 नवम्बर, 1976 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

श्री प्रसाद की जन्म-तिथि 14 नवम्बर 1918 है।

एम० एल० सोबती
वरिष्ठ उप-महालेखाकार, (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार, उत्तर प्रदेश—प्रथम

इलाहाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1976

का० आदेश सं० प्रशासन-I/II-144(XII)/310-महालेखाकार, उत्तर प्रदेश (प्रथम), इलाहाबाद ने निम्नांकित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के आगे अंकित तिथि से आगामी आदेश पर्यन्त हम कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी नियुक्त किया है :—

- | | |
|-------------------------------------|----------|
| 1. श्री बन्धनलाल | 26-11-76 |
| 2. श्री आर० विश्वनाथन | 23-11-76 |
| 3. श्री राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव | 23-11-76 |
| 4. श्री हर्ष लाल मिश्रा | 23-11-76 |

यू० रामचन्द्र राव,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1976

सं० ई० बी० आई०/8-312/76-77/356—महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री पी० एस० नरसिंहन को महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतन मान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 1-12-76 के पूर्वानुक्रम से जब तक आगे आदेश न दिये जाएं, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

एस० आर० मुखार्जी,
प्रवर उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार, राजस्थान

जयपुर, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

सं० प्रशासन-II/जी० ग० नो०/1383—महालेखाकार कार्यालय राजस्थान के निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को 30-11-76 (पूर्वाह्न) से अप्रतिर आदेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है :—

1. श्री राम स्वरूप शर्मा
2. श्री गिरधारी लाल सारस्वत
3. श्री गोविन्द बिहारी लाल माथुर

र० आ० बीरकर
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्ट्रियां

भारतीय आर्डनेन्स फैक्ट्रियां सेवा

कलकत्ता-700016, दिनांक 3 दिसम्बर 1976

सं० 91/76/जी०—58 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर श्री डी० आर० खाड्के, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी फोरमैन) को दिनांक पहली जून, 1976 से एक वर्ष की सेवा वृद्धि की स्वीकृति दी गई।

दिनांक 8 दिसम्बर 76

सं० 94/76/जी०—सेवा निवृत्ति पूर्व अवकाश की समर्पित पर, श्री एस० के० मूर्ति, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन), दिनांक 30-11-76 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिल्लाय,
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्ट्रियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य-नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/1161/76-प्रशासन(राज०)—राष्ट्रपति, श्री महेन्द्र प्रताप सिंह (उत्तर प्रदेश राज्य न्यायिक सेवा श्रेणी-I) को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में 25-11-1976 (दोपहर पूर्व) से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक इस पद के लिए भर्ती नियमावली नहीं बन जाती इनमें जो भी पहले हो उस अवधि के लिए उप-विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

एम० गिल,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

दिनांक 14 दिसम्बर 1976

सं० ए०-1701 105/76-प्र०-6—राष्ट्रपति, 1975 की इन्जीनियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के आधार पर मनोनीत प्रत्याशी श्री राजेन्द्र प्रसाद को दिनांक 20-11-76 से आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी I) के ग्रेड III की इन्जीनियरी शाखा में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री प्रसाद ने दिनांक 20-11-76 के पूर्वार्द्ध से निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी का पदभार सम्भाल लिया।

सं० ए०-17011(106)/76-प्र०-6—राष्ट्रपति, 1975 की इन्जीनियरी सेवा परीक्षा के परिणाम के आधार पर मनोनीत प्रत्याशी श्री राजेन्द्र प्रकाश सिंह को दिनांक 15-11-76 से आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी-I) के ग्रेड-III की इन्जीनियरी शाखा में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री सिंह ने दिनांक 15-11-76 के पूर्वार्द्ध से निरीक्षण निदेशक, मद्रास के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) का पदभार सम्भाल लिया है।

सं० ए०-17011/(107)/76-प्र०-6—राष्ट्रपति, इन्जीनियरी सेवा परीक्षा, 1975 के परिणाम के आधार पर नामित उम्मीदवार श्री सुरेन्द्र मोहन मुजाल को दिनांक 22-11-76 से आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी-I) के ग्रेड-III की इन्जीनियरी शाखा में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री मुजाल ने दिनांक 22-11-76 के पूर्वार्द्ध से निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) का पदभार सम्भाल लिया।

सूर्य प्रकाश,
उपनिदेशक, (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1976

सं० 4(12)/76-एम० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री कलिंग बोरंग को आकाशवाणी डिब्रूगढ़ में 8 नवम्बर, 1976 से अग्रेतर आदेशों तक अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4(10)/76-एम० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री पुरा टाडो को आकाशवाणी, डिब्रूगढ़ में 9 नवम्बर, 1976 से अग्रेतर आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

प्रेमकुमार सिन्हा,
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशामन-6 अनुभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर, 1976

सं० ए०-17011/113/76-ए-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान-उत्तरी निरीक्षण मंडल नई दिल्ली के श्री एच० बी० शर्मा, स्थायी भंडार परीक्षक (इन्जी०) को दिनांक 30-10-76 के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेशों के जारी होने तक, इस महानिदेशालय के अधीन, कलकत्ता निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय
विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

सं० ए-19012/3/74-स्था-2—श्री एस० पी० गुप्ता, प्रदर्शनी सहायक को क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी के पद पर इस निदेशालय, वाराणसी में अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर तारीख 1-12-1976 (पूर्वाह्न) से अग्रिम आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

सं० ए-19012/1/76-स्थापना-2—श्री एस० एफ० एच० नकवी, प्रदर्शनी सहायक को क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी के पद पर इस निदेशालय, नई दिल्ली में अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर तारीख 1-12-76 (पूर्वाह्न) से अग्रिम आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

आर० देवासर,
उप निदेशक (प्रशासन)
नूतने विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

सं० ए० 22012/19/76-सी० एच० एस०-1—अपनी बदली हो जाने के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-I अधिकारी डा० सुभाष चक्रवर्ती ने हवाईपतन स्वास्थ्य संगठन, कलकत्ता हवाई अड्डा डम डम के कार्यालय से उप हवाईपतन स्वास्थ्य अधिकारी के पद का कार्यभार 17 जुलाई, 1976 अपराह्न से छोड़ दिया तथा पतन-स्वास्थ्य संगठन, कांड़ला के कार्यालय में उप पतन स्वास्थ्य अधिकारी के पद का कार्यभार 28 जुलाई, 1976 पूर्वाह्न से सम्भाल लिया है।

दिनांक 14 दिसम्बर 1976

सं० ए० 12026/135/76-सी० एच० एस०-1—अपनी बदली हो जाने के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० ग्रेड-II अधिकारी डा० एस० एल० शम्भा ने केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई के अधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना औषधालय, बादला में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार 4 अक्टूबर, 1976 अपराह्न से छोड़ दिया तथा हवाई-पतन स्वास्थ्य संगठन, बम्बई में सहायक हवाईपतन स्वास्थ्य अधिकारी के पद का कार्यभार 5 अक्टूबर, 1976 पूर्वाह्न से सम्भाल लिया है।

के० वेणु गोपाल,
उप निदेशक प्रशासन (सी० एच० एस०)

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1976

सं० 20/1(26)/75-के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक 8 नवम्बर, 1976 पूर्वाह्न से डा० एल० के० प्रधान को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, पटना में होम्योपैथी चिकित्सक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० 20/1(26)/75-के० सं० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक 13 अगस्त, 1976 पूर्वाह्न से डा० के० एल० जना को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, इलाहाबाद में होम्योपैथी चिकित्सक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 12026/62/76-सी० जी० एच० एस०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री पी० आर० दराने को 4 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना बम्बई में तदर्थ आधार पर प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त कर दिया है।

आर० के० जिन्दल,
उप निदेशक प्रशासन (सी० जी० एच० एस०)

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर 1976

सं० ए० 12025/9/76-(सी० जी० एच० एस०) प्र० 1 (भाग 2)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने 12 अक्टूबर 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक डा० वाई० सी० शर्मा को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर में अस्थाई आधार पर दन्त शल्य चिकित्सक के पद पर नियुक्त कर दिया है।

सं० ए० 12025/9/76-(सी० जी० एच० एस०)-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने 21 अक्टूबर, 1976 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक डा० एम० एल० कारवाल को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई में दन्त शल्य चिकित्सक के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त कर दिया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन

वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण

देहरादून, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

सं० 3-2/76-प्रशासन—श्री राम रतन यादव, जो कि मध्य प्रदेश प्रशामन सेवा (वन विभाग) के अतिरिक्त सहायक वन संरक्षक हैं, को 14-10-76 की पूर्वाह्न से वन साधनों के निवेश पूर्व सर्वेक्षण, देहरादून में सहायक वनपाल नियुक्त किया जाता है।

रमेश चन्द्रा,
मुख्य समन्वयक

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग
(नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना)

मुम्बई-5, दिनांक 25 दिसम्बर 1976

सं० एन० ए० पी० पी०/18/106/75-प्रशा०-8678—श्री के० गंगाधरन, वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एस० बी० को, उनका तबादला राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना से होने पर,

नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना, नरोरा में 10 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एस० बी० के पद पर ही नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 7 दिसम्बर 1976

सं० एन० ए० पी०पी०/18/106/76-प्रशा०—श्री बी० जे० पारिख, वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एस० बी० को, उनका तबादला भारी पानी परियोजना, बड़ौदा से होने पर, 18 नवम्बर, 1976 के अपराह्न से अगले आदेश तक नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना, नरोरा में उसी ग्रेड में नियुक्त किया जाता है।

आर० जे० भाटिया,
मामान्य प्रशासन-अधिकारी
कृते निदेशक, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

तारापुर परमाणु बिजलीघर

थाना-401504, दिनांक 30 नवम्बर, 1976

सं० टीएपीएम/प्रशासन/673-ए(XIV)—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर के अस्थायी फोरमैन श्री डी० नारायण तथा अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' श्री मोहनलाल को 1 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से उसी बिजलीघर में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर (एसबी) नियुक्त करते हैं।

क० वी० सेतुमाधवन,
मुख्य प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

आदेश

संदर्भ: ना ई स/प्रशा-5/20/बी-81/2540—जबकि आरोपित है कि

श्री मुहम्मद बदीउज्जमा, कारीगर बी०, एम० ई० एस०, के रूप में कार्य करते समय बिना किसी सूचना के सेवा से बारंबार अनुपस्थित रहते हैं। वे बिना पूर्व अनुमति के 1974 में 7 अवसरों तथा 1975 में 8 अवसरों पर अनुपस्थित रहे। उक्त श्री बदीउज्जमा 5-11-1975 से आज तक, बिना किसी अनुमति के सेवा से अनुपस्थित हैं तथा काम को अव्यवस्थित कर रहे हैं। इस प्रकार से उन्होंने ना० ई० स० के स्थायी आदेशों के पैरा 39(5) का उल्लंघन किया है।

और जबकि श्री बदीउज्जमा को उनके विरुद्ध आरोप तथा जांच आयोजित करने के प्रस्ताव की सूचना एक आपन जिसकी संख्या ना ई स/प्रशा-5/बी-81/20/206 दिनांक 16-2-1976 थी, उक्त श्री बदीउज्जमा के हैदराबाद के अंतिम ज्ञान पते पर रजिस्टर्ड

डाक द्वारा पावती सहित भेजा गया था, वह डाक कार्यालय द्वारा, टिप्पणी "बिना सूचना के चले गए" के साथ वापिस लौटा दिया गया है,

और जबकि उक्त आपन को जिसे पुनः उक्त श्री बदीउज्जमा के अंतिम ज्ञान पते पर, एक प्रावरण पत्र जिसकी संख्या ना ई स/प्रशा-5/20/बी-81/346, दिनांक 30 मार्च, 1976 थी के साथ रजिस्टर्ड डाक द्वारा पावती सहित भेजा गया था, वह डाक कार्यालय द्वारा टिप्पणी "अस्वीकृत" के साथ पुनः वापिस लौटा दिया गया है,

और जबकि एक जांच अधिकारी को जांच आयोजित करने के लिए नियुक्त किया गया जैसा कि ना० ई० स० के स्थायी आदेशों (इसके बाद जिन्हें उक्त आदेश कहा जाएगा) के पैरा 41.2 के अन्तर्गत आवश्यक है,

और जबकि जांच अधिकारी जांच कार्यवाही आयोजित नहीं कर सके क्योंकि जो पत्र उक्त श्री बदीउज्जमा के अंतिम ज्ञान पते पर भेजा गया था वह डाक कार्यालय द्वारा टिप्पणी "इस भकान संख्या पर ऐसे कोई पते वाला नहीं है, भेजने वाले को लौटाया जाता है" के साथ लौटा दिया गया,

और जबकि ऐसी परिस्थितियों में, निम्नहस्ताक्षरकर्ता इस तथ्य से संतुष्ट हुए कि उक्त आदेशों में निहित तरीके से जांच आयोजित करना व्यावहारिक रूप से युक्तिपूर्ण नहीं है,

और जबकि निम्नहस्ताक्षरकर्ता इस तथ्य से संतुष्ट हैं कि उक्त श्री बदीउज्जमा ने, बिना किसी पूर्व अनुमति या सूचना के इतनी लम्बी अवधि तक अनुपस्थित रह कर बुरी हरकत की है और, इसीलिये वे सेवा में रहने लायक नहीं हैं,

अब, इसीलिये निम्नहस्ताक्षरकर्ता उक्त आदेशों के पैरा 41.2 तथा पैरा 42 के साथ परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश संख्या 28(1)/68-प्रशा० दिनांक 3-12-1970 के अन्तर्गत दिये हुए अधिकारों का प्रयोग करते हुए इसके द्वारा उक्त श्री बदीउज्जमा को तत्काल प्रभाव से, सेवा से अलग करते हैं।

हरिश्चन्द्र कटियार,
उप-मुख्य कार्यपालक

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 15 दिसम्बर 1976

संदर्भ भापापएं/स्था०/1/प-92/8409—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष-कार्य-अधिकारी ने, श्री ज्योति प्रकाश दुर्लभभाई पटेल, अस्थायी श्रम-तथा-कल्याण अधिकारी, भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) का 26 अक्तूबर, 1976 (अपराह्न) से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

टी० सी० सत्यकीर्ति,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय
(भारत मौसम विज्ञान विभाग)

नई दिल्ली-3, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

सं० ई(I) 04227—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री ए० के० दत्ता को 19-11-76 के पूर्वाह्न से 17-1-77 तक 60 दिनों की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री दत्ता, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई(I) 04269—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एस० के० बसु को 16-11-76 के पूर्वाह्न से 14-1-77 तक 60 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री बसु, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई(I) 04255—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एन० वी० घोष को 19-11-76 के पूर्वाह्न से 17-1-77 तक 60 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री घोष, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई(I)-04193—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री के० के० भौमिक को 19-11-76 के पूर्वाह्न से 17-1-77 तक 60 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री भौमिक, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

जी० आर० गुप्ता,
मौसम विज्ञानी.

कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय

कानपुर, दिनांक 18 अक्टूबर 1976

सं० 107/76—श्री जे० एन० त्रिवेदी, स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप 'ख' कानपुर मंडल द्वितीय ने अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप 'ख' कानपुर मंडल द्वितीय के पद का कार्य-भार दिनांक 26-6-72 (पूर्वाह्न) और दिनांक 3-2-75

(अपराह्न) को त्याग दिया और निम्नलिखित अवधियों के अवकाश पर चले गए :—

(क) 6 दिनों का अर्जित अवकाश दिनांक 26-6-72 से दिनांक 1-7-72 तक इसके साथ मिला हुआ है 279 दिनों का अर्धवेतन अवकाश दिनांक 2-7-72 से दिनांक 6-4-73 तक और 393 दिनों का वेतन रहित अवकाश दिनांक 7-4-73 से दिनांक 4-5-74 तक तथा 5 और 6 मई, 1974 को पड़ने वाली छुट्टी को बाद में जोड़ लेने की अनुमति से प्राप्त अवकाश।

(ख) 25 दिनों का अर्जित अवकाश दिनांक 4-2-75 से दिनांक 28-2-75 इसके साथ मिला हुआ है 60 दिनों का अर्धवेतन अवकाश दिनांक 1-3-75 से 29-4-75 तक और 318 दिन का वेतन रहित अवकाश दिनांक 30-4-75 से 12-3-76 तक।

2. अवकाश समाप्त होने के बाद श्री जे० एन० त्रिवेदी, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप 'ख' में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कानपुर मंडल द्वितीय के पद का कार्यभार, उपर्युक्त 'क' के सामने उल्लिखित अवधि के लिए दिनांक 7-5-74 (पूर्वाह्न) को ग्रहण किया और उपर्युक्त 'ख' के सामने उल्लिखित अवकाश के समाप्त हो जाने के बाद सरकारी सेवा से दिनांक 12-3-76 (अपराह्न) को एफ० आर० 56(के०) के अन्तर्गत सेवा निवृत्त हो गए।

कु० श्री दिलिपसिंहजी,
समाहर्ता

नारकोटिक्स विभाग

ग्वालियर, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

सं० 52—बारां से स्थानान्तरण पर, श्री आर० सी० श्रीवास्तव जिला अफीम अधिकारी ने 15 जुलाई, 1976 के दोपहरपूर्व को जिला अफीम अधिकारी फैजाबाद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 53—स्थानान्तरण पर, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय नागपुर के श्री जे० एस० ग्रेवाल, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समूह 'ख' ने 21 जुलाई, 1976 के दोपहरपूर्व को जिला अफीम अधिकारी, नीमच I प्रभाग का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 54—स्थानान्तरण पर, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, इलाहाबाद के श्री एस० जफर अली, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, समूह 'ख' ने, 4 अक्टूबर, 1976 के दोपहरपूर्व को जिला अफीम अधिकारी, शाहजहाँपुर का कार्यभार संभाल लिया।

अभिलाष शंकर

भारत का नारकोटिक्स आयुक्त

नई दिल्ली-110024, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

सं० 1—श्री एम० डी० तिवारी, फैंक्ट्री इंजीनियर, शासकीय अफीम व अल्कासाईड वर्क्स अन्डरटेकिंग, गाजीपुर को 1-8-1975 में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु० 1000/- के चरण पर दक्षनारोक पार करने की अनुमति दी जाती है।

कृष्ण आनन्द,
मुख्य नियंत्रक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1976

सं० ए-12017/4/76-प्रशा-5—इस आयोग की अधिसूचना सं० 12017/4/76-प्रशा-5, दिनांक 29-9-1976 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, एतद्वारा श्री टी० पी० येगनान को महायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक गणित समूह) के ग्रेड में कार्य करने के लिए रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधानशाला, पूणे में पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर 10-12-1976 तक नियुक्त करते हैं।

जसवंत सिंह, अवर सचिव
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रमुख इंजीनियर का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर, 1976

सं० 27-ई/आर(24)/69-ई० सी०-II—निर्माण और आवास मंत्रालय (निर्माण प्रभाग) के दिनांक 2-8-1976 के पत्र संख्या 34/5/75 ई० सी० II/ई० डब्ल्यू०-2 के अधीन जारी किए गए आदेशों का अनुसरण करते हुए कलकत्ता केन्द्रीय परिमण्डल-3, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, कलकत्ता के कार्यपालक इंजीनियर श्री एम० एम० राय चौधरी, मूल नियम 56(जे) के अधीन सरकारी सेवा से 8-11-1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

पी० एस० धारवानी,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते प्रमुख इंजीनियर

मध्य रेलवे

बम्बई बी० टी०, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

एचपीबी-220-जी-बो-एल—निम्नलिखित स्थानापन्न सहायक विद्युत इंजीनियर (श्रेणी-II) को उसी पद पर उनके नाम के सामने लिखी तारीख से स्थायी किया गया है :—

क्रमांक	नाम	श्रेणी-II में स्थायीकरण की तिथि
1.	श्री सी० राजगोपाल	5-5-1976
2.	श्री एस० डी० गुप्ता	18-8-1976

अमृतलाल गुप्ता,
महाप्रबन्धक

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

सं० 18—श्री प्राणनाथ, कर्मशाला विद्युत अभियन्ता अमृतसर 31-8-76 अपराह्न को अग्निम रूप से रेल सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

मतीश चन्द्र मिश्रा
महाप्रबन्धक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

पांडू, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

सं० ई/55/III/94-पी०टी०-III(ओ)—सिविल इंजीनियरी विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को अवर वेतनमान में उनके नाम के सामने दी गयी तिथियों से स्थायी किया जाता है :

क्र० अधिकारी का नाम सं०	स्थायी किये जाने की तिथि
1. श्री एम० के० देव वर्मा	17-2-74
2. श्री एस० सी० बंसल	18-11-74
3. श्री एन० एम० आहूजा	25-11-75
4. श्री एस० पी० वत्स	28-11-75

जी० एच० केसवानी
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी लाँ बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और के० आई० डी० सिन्डीकेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 8 दिसम्बर, 1976

सं० 243/76-3760(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि के० आई० डी० सिन्डीकेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सी० आर० दास,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उड़ीसा

आयकर आयुक्त का कार्यालय

कोष्ठिन-682016, दिनांक 16 नवम्बर, 1976

इलाहाबाद, दिनांक 20 अक्तूबर, 1976

आदेश सं० 1/76-77

आयकर अधिनियम—1961—धारा 123(1) एवं
(2)—आयकर आयुक्त इलाहाबाद के कार्यभार के अधीन
आयकर निरीक्षण सहायक आयुक्त का कार्य क्षेत्र ।

फा सं० 81 (बी० 1)/70 टैक—आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 123 की उपधारा (1)
और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस विषय
पर इससे पहले के सभी आदेशों को रद्द करते हुए, मैं, आयकर
आयुक्त इलाहाबाद, इस अधिसूचना के द्वारा यह निदेश देता हूँ
कि इस अधिसूचना के साथ अनुबद्ध अनुसूची के कालम 2 में विनिर्दिष्ट
रेंजों में तैनात आयकर के निरीक्षण सहायक आयुक्त 1 नवम्बर,
1976 से उक्त अनुसूची के कालम 3 के सम्बन्धित इन्दराजों में
विनिर्दिष्ट आयकर सर्किलों में आने वाले क्षेत्र में सभी व्यक्तियों
और व्यक्तियों के सभी वर्गों तथा सभी आयों और आय के सभी वर्गों
के मामले में अपना कार्य करेंगे :—

क्र० सं०	सहायक निरीक्षीय आयकर आयुक्त मंडल	क्षेत्र संख्या अथवा उप प्रभार मंडल में सम्मिलित हैं ।
1	2	3
1	1. इलाहाबाद	1. इलाहाबाद 2. विशेषवृत्त, इलाहाबाद 3. सर्वेक्षण वृत्त, इलाहाबाद 4. सुल्तानपुर 4. फेजाबाद
2	2. गोरखपुर	1. गोरखपुर 2. सर्वेक्षण वृत्त, गोरखपुर 3. बस्ती 4. गोंडा 5. बहराइच 6. आजमगढ़ 7. बलिया 8. देवरिया
3	3. वाराणसी	1. वृत्त 1, वाराणसी 2. वृत्त 2, वाराणसी 3. सर्वेक्षण वृत्त, वाराणसी 4. मिर्जापुर 5. जौनपुर

सी० सं० 1(9)/जी० एल०/76-77—आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की 124वीं धारा की उपधारा (1) के
अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए एवं उक्त धारा
124(1) के अनुसार इस कार्यालय के समय-समय पर सूचित
पुरानी सूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए, केरल-1 का आयकर
आयुक्त, मैं निदेश करता हूँ कि संलग्न अनुसूची की कालम (3) में
बताये हुए आयकर अधिकारी 1976 नवम्बर 16 पूर्वाह्न से कालम
(4) में बताये हुए कार्य का निर्वाह करेंगे । उनके कार्यक्षेत्र, व्यक्ति/
व्यक्तियों की श्रेणी आदि कालम (4) में दी गई है :—

अनुसूची

क्रम सं०	मण्डल का नाम	आयकर अधिकारी की पदसंज्ञा	क्षेत्राधिकार
(1)	(2)	(3)	(4)
1. सर्वे सर्किल, एरणाकुलम ।	आयकर अधि- कारी, सर्वे सर्किल, एरणाकुलम ।	(1) एरणाकुलम और आलप्पी के आय- कर मण्डलों के प्रादेशिक क्षेत्रा- धिकार के अंतर्गत सर्वेक्षण के फल- स्वरूप आविष्कृत सभी निर्धारिती ।	
		(2) सभी निर्धारिती- जिनके मामले 1961 के आय- कर अधिनियम की धारा 127 (1) के अनुसार आयकर अधिकारी को हस्तांतरित किये जाते हैं ।	

आदेश सं० 2/76-77

सी० सं० 1(209)/जी० एल०/76-77—आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की 124वीं धारा की उपधारा
(1) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केरल-1
का आयकर आयुक्त एतद्वारा एरणाकुलम में आयकर कार्यालय,

शेख अब्दुल्ला,
आयकर आयुक्त, इलाहाबाद

सर्वे सक्किल, एरणाकुलम' नामक एक नवीन सरकिल का सृजन करने हैं। कार्यालय का पता निम्नलिखित है :—

आयकर अधिकारी का कार्यालय,

सर्वे सक्किल, बारियम रोड,

एरणाकुलम, कोच्चिन-682016।

यह अधिसूचना 16-11-1976 के पूर्वान्त से प्रवृत्त होगी।

पी० एस० सुब्रमण्यन,
आयकर आयुक्त, केरल-I

कोच्चिन-682016, दिनांक 16 नवम्बर 1976

आदेश सं 3/76-7।

(उपहारकर अधिनियम 1958 की धारा 7 के अधीन आदेश)

सी० सं० 1(9) बी०/जी० एल०/76-77—इस कार्यालय के समय-समय पर सूचित पुरानी सूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए केरल-I का आयकर उपहार कर आयुक्त मैं निदेश करता हूँ कि संलग्न अनुसूची की कॉलम (3) में बताये हुए उपहार कर अधिकारी 1976 नवम्बर, 16 के पूर्वान्त से कॉलम (4) में बताये हुए कार्य का निर्वाह करेंगे। उनके कार्यक्षेत्र, व्यक्ति, व्यक्तियों की श्रेणी आदि कॉलम (4) में दी गई है :—

अनुसूची

क्रम सं०	मंडल का नाम	उपहारकर अधि-कारी की पदसंज्ञा	क्षेत्राधिकार
1	2	3	5
1.	सर्वे सक्किल, एरणाकुलम।	उपहार अधि-कारी सर्वे सक्किल एरणाकुलम	(1) एरणाकुलम और आलप्पि के उप-हारकर मण्डलों के प्रादेशिक क्षेत्राधिकार के अंतर्गत सभी निर्धारित-जिन के कर-निर्धारण अभी तक आयकर या धन-कर के विषय में किया नहीं गया है। (2) सभी निर्धारित-जिनके मामले 1958 के उप-हारकर अधिनियम की धारा 7-बी के अनुसार उपहार-कर अधिकारी को हस्तान्तरित किये जाते हैं।

पी० एस० सुब्रमण्यन
उपहारकर आयुक्त, केरल-I

कोच्चिन-682016, दिनांक 16 नवम्बर, 1976

आदेश सं० 4/76-77

(उपहारकर अधिनियम 1958 की धारा 7 के अधीन आदेश)

सी० सं० 1(9) बी० जी० एल०/76-77—इस कार्यालय में समय-समय सूचित पुरानी सूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए, केरल-II का उपहारकर आयुक्त मैं निदेश करता हूँ कि संलग्न अनुसूची के कॉलम (3) में बताए हुए उपहार अधिकार अधिकारी 1976 नवम्बर 16 के पूर्वान्त से कॉलम (4) में बताये हुए कार्य का निर्वाह करेंगे। उनके कार्यक्षेत्र, व्यक्ति, व्यक्तियों की श्रेणी आदि कॉलम (4) में दी गई है :—

अनुसूची

क्रम सं०	मण्डल का नाम	उपहारकर अधि-कारी की पदसंज्ञा	क्षेत्राधिकार
1.	सर्वे सक्किल, एरणाकुलम	उपहारकर अधि-कारी, सर्वे सक्किल, एरणाकुलम।	(1) मट्टान्चेरी, आलवे तथा कोट्टय के उपहारकर मण्डलों के प्रादेशिक क्षेत्राधिकार के अंतर्गत सभी निर्धारित-जिन के कर-निर्धारण अभी तक आयकर या धनकर के विषय में किया नहीं गया है। (2) सभी निर्धारित-जिनके मामले 1958 के उप-हारकर अधिनियम की धारा 7-बी के अनुसार उपहार-कर अधि-कारी को हस्तांतरित किये जाते हैं।

पी० एस० सुब्रमण्यन,

उपहारकर आयुक्त, केरल-II

आयकर

आदेस सं० 5/76-77

(1) (2) (3) (4)

सी सं 1 (9)/जी एल 76—77 आयकर अधिनियम 1961 1961 का 43) की 124वीं धारा की उपधारा (1) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए एवं उक्त धारा 124(1) के अनुसार इस कार्यालय के समय-समय पर सूचित पुरानी सूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए, केरल-II का आयकर आयुक्त, मैं निदेश करता हूँ कि संलग्न अनुसूची की कॉलम (3) में बताये हुए आयकर अधिकारी 1976, नवम्बर 16 पूर्वाह्न से कॉलम (4) में बताये हुए कार्य का निर्वाह करेंगे। उनके कार्यक्षेत्र व्यक्ति, व्यक्तियों की श्रेणी आदि कॉलम (4) में दी गई है।

के प्रादेशिक क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत सर्वेक्षण के फल-स्वरूप आविष्कृत सभी निर्धारिती।

(2) सभी निर्धारिती जिनके मामले 1961 के आयकर अधिनियम की धारा 127(1) के अनुसार आयकर अधिकारी को हस्तांतरित किये जाते हैं।

अनुसूची

क्रम सं०	मण्डल का नाम	आयकर अधिकारी का पदसंज्ञा	क्षेत्राधिकार
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	सर्वे सैकिल, एरणाकुलम।	आयकर अधिकारी, (1) सर्वे सैकिल, एरणाकुलम।	(1) मट्टान्चेरी, आल-बाय और कोट्टुर्य के आयकर मण्डलों

एम० ए० सुब्रमण्यम,
आयकर आयुक्त, केरल-II, एरणाकुलम

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर कार्यालय,

जालन्धर, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निदेश नं० 1637/76-77—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो माडल टाउन
जलन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कर्नेल सिंह सुपुत्र श्री पंजाब सिंह, गांव मालीयान
(अन्तरक)
2. श्री रामेश्वर दास सुपुत्र श्री गुरप्रसाद, 612-प्रार०
माडल टाउन, जलन्धर । (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० दो में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है) ।
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 375 मई 1976 को
रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा गया है ।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 14-12-1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 13 दिसम्बर, 1976

निदेश नं० एफडीके/89/76-77—यतः मुझे वी० आर०
सागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० धरती है तथा जो नेताला रोड कोटकपूरा में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन, तारीख अप्रैल,
1976 ।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिषियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिय था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरदित सिंह सपुत्र श्री नानिहाल सिंह बासी कोटकपूरा
(अन्तरक)

2. श्री हंस राज सपुत्र श्री चानन राम बासी कोटकपूरा
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि कोई हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों को, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 133 महीना अप्रैल,
1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है ।

वी० आर० सागर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख: 13 दिसम्बर 1976
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 13 दिसम्बर, 1976

निदेश नं० एफ० डी०के०/90/76-77—यतः मुझे बी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो अलालां रोड़ कोटकपुरा में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. बचितर सिंह सपुत्र श्री हजुरा सिंह, श्री सुरजीत सिंह और श्री बचितर सिंह, श्री जमीर सिंह सपुत्र श्री बग्गा सिंह बासी कोटकपुरा। (अन्तरक)
2. मैसर्स कोटकपुरा काटन गिनिंग तथा प्रैसिंग फैक्टरी कोटकपुरा (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि कोई हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 89 महीना अप्रैल 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

बी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 13-12-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 13 दिसम्बर, 1976

निदेश नं० एफ०डी०के०/91/76-77—यतः मुझे वी० आर०

सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जगरूप सिंह और दर्शन सिंह सुपुत्रान श्री तारा सिंह बासी कोठे बाडिंग डाकखाना कोटकपूरा (अन्तरक)
2. मैसर्स आसा सिंह काटन फैक्टरी कोटकपूरा (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 18 महीना अप्रैल 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 13-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

निदेश नं० एफ०डी०के०/92/76-77—यतः मुझे बी० आर०
सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० धरती है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1976
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगरूप सिंह तथा दर्शन सिंह मुपुवान श्री तारा सिंह
गांव कोटे वडिंग डाकखाना कोटकपूरा (अन्तरक)
2. मैसर्स फ्रेंडज काटन प्रैस, कोटकपूरा (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में तथा किरायेदार कोई यदि हो
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुची रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
व्यक्ति अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 16 महीना अप्रैल
1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

बी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 13-12-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 दिसम्बर, 1976

निदेश सं० एफ०डी०के०/93/76-77—यतः मुझे वी० आर०
सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका, उचित बाजार मूल्य, 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० धरती है तथा कोटकपूरा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल
1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
शत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरमेल सिंह गुरबचन सिंह, मेजर सिंह, हरबंस सिंह,
नाजिर सिंह, सुमुलान निरंजन सिंह गांव कोटकपूरा
कोठी वारिंग, डाकखाना कोटकपूरा (अन्तरक)
2. मैसर्स आसा सिंह काटन फैक्टरी कोटकपूरा (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि
कोई हो

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिन
के बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 17 अप्रैल 1976
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख: 13-12-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 दिसम्बर, 1976

निदेश सं० मोंगा/94/76-77—यतः मुझे बी० आर०
सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा है तथा जो तहसील रोड मोंगा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोंगा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल,
1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—
3—396GI/76

1. गुरतेज सिंह सपुत्र श्री गाजिन्द्र सिंह सपुत्र श्री राजिन्द्र सिंह
बासी भाई रोली मोंगा (अन्तरक)
2. करतार सिंह रामगड़ीया सपुत्र श्री सुन्दर सिंह सपुत्र श्री
जगत सिंह मोटर इन्जीनियरिंग वर्क्स तहसील रोड
मोंगा (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायदार यदि कोई हो।
(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुची रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे
में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 197
अप्रैल, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोंगा में लिखा है।

बी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 13-12-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 दिसम्बर, 1976

निर्देश नं० एम०जी०ए०/95/76-77—यतः मुझे वी०आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसका सं० धरती है तथा जो गांकी रोड मोगा में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. भीष्म देव, प्यारे लाल, प्रेम प्रकाश श्रोम प्रकाश सुपुत्र श्री हंस राज सुपुत्र श्री प्रिथी भल वासी मोगा मंडी। (अन्तरक)
2. श्री हरबन्म लाल सुपुत्र श्री किरत राम सुपुत्र श्री सीता राम, मालवा होजरी गांधी रोड मोगा (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि कोई हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुकी रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 66 अप्रैल 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा में लिखा है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 13-12-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 दिसम्बर, 1976

निदेश नं० एफ०जेड०आर०/98/76-77—यतः मुझे बी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव पंचावली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्येयों, अर्थात् :—

1. बालू राम पुत्र श्री कर्म चन्द, गांव पंचावली मार्फत श्री मुंशी राम दत्तक पुत्र श्री नत्थु राम फाजिल्का (अन्तरक)

2. श्री खैराती लाल पुत्र श्री लाभ चन्द, अबोहर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है, किरायेदार यदि कोई हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 271 अप्रैल 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फाजिल्का में लिखा है।

बी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 15-12-76
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर-16, दिनांक 9 दिसम्बर 1976

निदेश नं० एफ० जेड० के०/97/76-77—यतः मुझे वी० आर० सगर, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव पंचावली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. बालू राम पत्नी श्री कर्म चन्द गांव पंचावली मार्फत श्री मुंशी राम दत्तक पुत्र श्री नरेशु राम, फाजिल्का (अन्तरक)

2. श्री रविन्द्र कुमार पुत्र श्री कश्मीरी लाल पुत्र श्री कालू राम अवोहर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है और किरायेदार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यवस्थितियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 272 अप्रैल 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फाजिल्का में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 15-12-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 दिसम्बर, 1976

निदेश नं० एफ० जेड० के० /98/76-77—यन: सुते, श्री०

श्री० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव पंचायती में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई विसा आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बालू राम पुत्र श्री कर्म चन्द पुत्र श्री संता राम, गांव
पंचायती (अन्तरक)

2. श्री राजपाल पुत्र श्री नानक चंद प्रबोहर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है, यदि कोई किरायेदार
(वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके
बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 275 अप्रैल, 1976
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फाजिल्का में लिखा है।

श्री० शार० सगर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख: 15-12-76
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 दिसम्बर, 1976

निर्देश नं० फाजिल्का/99/76-77—यतः मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव पंचावली में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बालू राम पत्र श्री कर्म चंद पुत्र श्री संता राम गांव पंचावली (अन्तरक)
2. श्री अशोक कुमार पुत्र श्री कश्मीरी लाल पुत्र श्री कालू राम, अवोहर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है और किरायेदार यदि कोई, (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवस्थों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 274 अप्रैल 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फाजिल्का में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 15-12-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 दिल्ली-I

नई दिल्ली, दिनांक 15 दिसम्बर, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्स०/3/एस० आर० 3/अप्रैल/
500(2)/76-77/4478—अतः मुझे एम० सी० पारीजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 6464 है तथा जो गली नं० 2-3, ब्लाक नं०
8, देव नगर करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-4-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आगितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किय जाना चाहिए छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती बमन्त कौर वेवा एम० तथा सिंह एफ-5/1 बसन्त
विहार, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री हरी चन्द पुत्र श्री दुर्गा प्रसाद निवासी 6551,
गली नं० 1, ब्लाक 9-बी, देव नगर, करोल बाग,
नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 6464 वार्ड नं० 16 जिसका क्षेत्रफल 82 वर्ग
गज जो कि ब्लाक नं० 8-बी बाग रावजी, देव नगर ब्लाक नं० 8
गली नं० 2 और 3, करोल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से
घिरा हुआ है:—

उत्तर—गली और रास्ता

दक्षिण—गली

पूर्व—मकान

पश्चिम—मकान प्लॉट नं० 54 पर

एम० सी० पारीजा,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 3, दिल्ली,

नई दिल्ली

तारीख: 15-12-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

निर्देश सं० सी०एच०टी०/20/76-77—अतः मुझे ग०प०सिंह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० ओ० प्लॉट नं० 829-830 है तथा
जो सैक्टर 22-ए चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्री केशो राम पत्र लोडिन्द्रा राम
निवासी मकान नं० 17, सैक्टर 19-ए, चण्डीगढ़ ।
- (ii) श्री जय प्रकाश पुत्र श्री जानकी दास निवासी
7, टिम्बर मार्केट, चण्डीगढ़ (अन्तरक)
2. (i) श्रीमती प्रीतम कौर पत्नी श्री दौलत राम
- (ii) श्रीमती हरभजन कौर पत्नी श्री रोशन लाल
- (iii) श्री परशोतम लाल पुत्र श्री दौलत राम, निवासी
मकान नं० 2219, सैक्टर 21-सी, चण्डीगढ़ ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अप्रतिपत्ति:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एस० सी० ओ० प्लॉट नं० 829-830, सैक्टर 22-ए, चण्डी-
गढ़ ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 128 मई, 1976 में रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है) ।

ग० प० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज चण्डीगढ़

तारीख : 18-12-1976

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

निर्देश सं० सीएचडी/21/76-77—अतः मुझे ग० प० सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/5 भाग ट्रांसपोर्ट प्लॉट नं० 4 इमारत सहित
है तथा जो ट्रांसपोर्ट एरिया चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—396जी०आई०/76

1. श्री तारा सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह नं० 279, इण्डस्ट्रीयल
एरिया, चण्डीगढ़ । (अन्तरक)

2. श्री गुलजार सिंह पुत्र श्री रलीया सिंह, नं० 4, ट्रांसपोर्ट
एरिया, चण्डीगढ़ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

1/5 भाग ट्रांसपोर्ट प्लॉट नं० 4 इमारत सहित ट्रांसपोर्ट
एरिया चण्डीगढ़ ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 134 मई, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है ।)

ग० प० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 18 दिसम्बर, 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

निदेश सं० सी.एच.डी./22/76-77—अतः मुझे ग० प० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/5 भाग ट्रांसपोर्ट प्लॉट नं० 4, है तथा जो ट्रांसपोर्ट एरिया चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रण सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह, नं० 279 इण्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़ (अन्तरक)

2. श्री शिव कुमार पुत्र श्री बालक राम, नं० 4, ट्रांसपोर्ट एरिया, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/5 भाग ट्रांसपोर्ट प्लॉट नं० 4 इमारत सहित ट्रांसपोर्ट एरिया चण्डीगढ़।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 135 मई 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 18 दिसम्बर, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

निर्देश सं० सी.एच.डी./23/76-77—अतः मुझे ग० प० सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/5 भाग प्लॉट नं० 4, इमारत सहित है तथा जो
ट्रांसपोर्ट एरिया चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख, मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अजीत सिंह पुत्र श्री कुमन सिंह नं० 279, इण्डस्ट्रीयल
एरिया, चण्डीगढ़ । (अन्तरक)

2. सर्वश्री

(i) शिव कुमार शर्मा पुत्र श्री बालक राम

(ii) गुलजार सिंह पुत्र श्री रलिया सिंह

(iii) बचन सिंह पुत्र श्री चन्दन सिंह

(iv) श्री जय नारायण पुत्र श्री लखी राम

निवासी नं० 4, ट्रांसपोर्ट एरिया, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

1/5 भाग प्लॉट नं० 4 इमारत सहित ट्रांसपोर्ट एरिया
चण्डीगढ़ ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 136 मई, 1976 में
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है) ।

ग० प० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 18-12-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

निर्देश सं० सी.एच.डी./34/76-77—अतः मुझे ग० प० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/4 भाग प्लॉट नं० 4 इमारत सहित है तथा जो ट्रांसपोर्ट एरिया, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री शिव कुमार पुत्र श्री बालक राम शर्मा नं० 4, ट्रांसपोर्ट एरिया, चण्डीगढ़ (अन्तरक)

2. सर्वश्री

(i) चमन लाल पुत्र श्री अमर दास निवासी भकान नं० 3381, सैक्टर, 27-डी, चण्डीगढ़

(ii) गुरदेव सिंह पुत्र श्री बचन सिंह, निवासी नं० 279, इण्डस्ट्रियल एरिया, चण्डीगढ़ ।

(iii) श्रीमती जसवंत कौर पत्नी श्री गुलजार सिंह, निवासी नं० 691, इण्डस्ट्रियल एरिया चण्डीगढ़ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/4 भाग प्लॉट नं० 4 इमारत सहित इण्डस्ट्रियल एरिया चण्डीगढ़ ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 288 जुलाई, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में लिखा है ।)

ग० प० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 18-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

निदेश सं० एस० एन० जी०/1/76-77—अतः मुझे ग० प० सिंह,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का वारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 6 बिघे 1/4 बिस्वे है तथा जो गांव
तन्ना तहसील और जिला संगरूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सन्त नाहर सिंह, चेला सन्त अतर सिंह, निवासी मस्तुआना,
जिला संगरूर । (अन्तरक)
2. श्री अबतार सिंह पुत्र श्री बखशीश सिंह जट्ट गांव तुन्गा
तहसील और जिला संगरूर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 6 बिघे 1/4 बिस्वे खाता नं० 13/43, 44, 46
खसरा नं० 76/2-0 मिन, 77/2-0 मिन, 339/1-11, 1001/413
/2-17, 340/3-18, 341/1/0-10, 356/3-16, 357/4-0,
78/1/0-16 मिन, खाता नं० 59/123/127, खसरा नं० 80/1-3
मिन 78/2/0-16 और 79/0-14 मिन, जोकि गांव तुन्गा तहसील
और जिला संगरूर में स्थित है ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 133 मई 1976 में
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगरूर के कार्यालय में लिखा है ।)

ग० प० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 18-12-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

निर्देश सं० एस० एन० जी०/2/76-77—अतः मुझे ग० प० सिंह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 6 बिघे 1/4 बिस्वे है तथा जो गांव
तुन्गा तहसील और जिला संगरूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, संगरूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, मई, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सन्त नाहर सिंह बेला सन्त अन्तर सिंह निवासी मस्तु
आना, जिला संगरूर (अन्तरक)
2. श्री मुख्तियार सिंह पुत्र श्री बखशीश सिंह, निवासी तुन्गा
तहसील और जिला संगरूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6 बिघे 1/4 बिस्वे भूमि खाता नं० 13/43, 44, 46
खसरा नं० 76/2-0 मिन 77/2-0, मिन 339/1-11, 1001/
413/2-17, 340/3-18, 341/1/0-10, 356/3-16,
357/4-0, 78/1/0-16 मिन, खाता नं० 59/123, 127,
खसरा नं० 80/1-3 मिन, 78/2/0-16 79/0-14 मिन
जोकि गांव तुन्गा तहसील और जिला संगरूर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के बिलेख नं० 134 मई, 1976 में
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगरूर के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 18-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

निदेश सं०एस०एन०जी०/3/76-77—अतः मुझे ग० प० सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और ज़मीन सं० भूमि क्षेत्रफल 12 बिघे 1/2 बिस्वे है तथा जो गांव
तुन्गा, तहसील और जिला संगरूर में स्थित है (और इससे उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, संगरूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सन्त नाहर सिंह, चेला सन्त अतर सिंह, निवासी मस्तुआना
जिला संगरूर। (अन्तरक)
2. श्री सन्सार सिंह पुत्र श्री बखशीश सिंह जट्ट गांव तुन्गा,
तहसील और जिला संगरूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 12 बिघे 1/2 बिस्वे खाता नं० 13/43, 44, 46
खसरा नं० 76/2-0 मिन, 77/2-0, मिन, 339/1-11,
1001/413/2-17, 340/3-18, 341/1/0-10, 356/3-16
357/4-0, 78/1/0-16 मिन, खाता नं० 59/123, 127,
खसरा नं० 80/1-3 मिन, 78/2/0-16, 79/0-14 जो कि गांव
तुन्गा तहसील और जिला संगरूर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 136 मई, 1976 में
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी संगरूर के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 18-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 मद्रास

चण्डीगढ़, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

निदेश सं० बी०एन०एल०/1/76-77—अतः मुझे ग० प० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल है तथा जो गांव धनौला कलां तहसील बरनाला जिला संगरूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरनाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1976 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जीत कौर पुत्री श्री कल्याण सिंह द्वारा श्री राजिन्द्र सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह निवासी गांव धनौला कलां, तहसील बरनाला, जिला संगरूर। (अन्तरक)

2. सर्वश्री जीत सिंह और हाकम सिंह पुत्र श्री गंडा सिंह गांव धनौला कलां, तहसील बरनाला जिला संगरूर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 40 कनाल जिसका खाता नं० 1145 मुसतलील नं० 259, किला नं० 2053

7	8	9	11
2	2	2	2
5-16	5-16	5-16	6-12

जमाबन्दी 1973-74 जोकि गांव धनौला कलां, तहसील बरनाला जिला संगरूर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 104 अप्रैल, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बरनाला के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 18-12-1976

मोहर ;

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 दिसम्बर 1976

निदेश सं० बी०एन०एल०/2/76-77—अतः मुझे, ग० प० सिंह, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि क्षेत्रफल 38 कनाल 7 मरले है तथा जो गांव धनौला कलां, तहसील बरनाला (संगरूर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरनाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, अप्रैल 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—396 जी०आई०/76

1. श्रीमती जीत कौर पुत्री श्री रलिया सिंह द्वारा श्री राजिन्द्र सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह निवासी गांव और डाकघर धनौला कलां, तहसील बरनाला जिला संगरूर।

(अन्तरक)

2. श्री गन्डा सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह गांव और डाकघर धनौला कलां, तहसील बरनाला, जिला संगरूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 38 कनाल 7 मरले जिसका मुसततील नं० 259 खाता नं० $\frac{1145}{2053}$ किला नं०

$\frac{14}{8-0}, \frac{17}{1-7}, \frac{18}{1-7}, \frac{19}{8-0}, \frac{20}{1-7}, \frac{21}{6-12} \& \frac{22}{6-10}$

जमाबन्दी 1973-74 है जोकि गांव धनौला कलां, तहसील बरनाला जिला संगरूर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 105 अप्रैल, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बरनाला के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 18-12-1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 दिसम्बर 1976

निदेश सं० बी जी आर/3/76-77—अतः मुझे, ग० प० सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 84, डी० एल० एफ० इण्डस्ट्रियल इस्टेट नं० 1 है तथा जो मेवला महाराजपुर, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लबगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, अप्रैल 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मुख्य अधिकारी मै० स्टील फैब्रीकेशन एण्ड कंस्ट्रक्शन कम्पनी फरीदाबाद । (अन्तरक)

2. मुख्य अधिकारी मै० पीपल्स पब्लिशिंग हाऊस प्राईवेट लिमिटेड 5-ई, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली-13 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 84, क्षेत्रफल 2488.75 वर्गमीटर जोकि डी० एल० एफ० इण्डस्ट्रियल इस्टेट नं० 1, मेवला महाराजपुर फरीदाबाद में स्थित है । और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं ।

उत्तर—नाला और सर्विस लेन

दक्षिण—सड़क

पूर्व—प्लॉट नं० 85

पश्चिम—प्लॉट नं० 83

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 401, अप्रैल, 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बल्लबगढ़ के कार्यालय में लिखा है ।)

ग० प० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 18-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 दिसम्बर 1976

निदेश सं० एचएसआर/3/76-77—अतः मुझे, ग० प० सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 5 कनाल 11 मरले है तथा जो 6
किलोमीटर सटोन के नजदीक दिल्ली रोड़ हिसार में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख मई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. सर्वश्री (i) ओंकार मल्ल पुत्र श्री तनसुख राय
(ii) सतीश कुमार पुत्र श्री राम रिछपाल
(iii) देविन्द्र कुमार पुत्र श्री ओंकार मल्ल, और
(iv) श्रीमती सन्ध्या पत्नी श्री राजिन्द्र प्रसाद निवासी
दिल्ली रोड़, हिसार । (अन्तरक)
2. श्री बलबीर सिंह गोयल, पुत्र श्री रमेश्वर दास निवासी
24-बद्रीकेश्वर, 88-मेरीन ड्राईव, बम्बई-2 ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 5 कनाल 11 मरले जिसका खसरा नं०			
5489,	5490,	5491,	5492,
<u>2</u>	<u>2</u>	<u>2</u>	और <u>2</u>
0-10	2-14	0-18	1-9

जोकि 6 किलोमीटर सटोन के नजदीक दिल्ली रोड़ पर हिसार
में स्थित है ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 255 मई, 1976 में
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हिसार के कार्यालय में लिखा है ।)

ग० प० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 18-12-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

निदेश सं०/हिसार/4/76-77:—अतः मुझे, ग० प० सिंह, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति जोकि मिस्तल (रबड़) इण्डिया के नाम से जानी जाती है में इमारत है तथा जो 6 किलोमीटर सटोन के नजदीक दिल्ली रोड, हिसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री

- (i) ओंकार मल्ल पुत्र श्री तनसुख राय,
 - (ii) सतीश कुमार पुत्र श्री राम रिछपाल,
 - (iii) श्रीमति सन्ध्या पत्नी श्री राजेन्द्र प्रसाद,
 - (iv) महादेव प्रसाद पुत्र श्री रमेशवर दास,
 - (v) सतीश कुमार पुत्र श्री पूर्ण मल्ल,
 - (vi) विजय कुमार पुत्र श्री पूर्ण मल्ल,
 - (vii) श्रीमति गोमती देवी पत्नी श्री महादेव प्रसाद,
 - (viii) श्रीमति विद्या देवी पत्नी श्री राज कुमार,
 - (ix) श्री देवेन्द्र कुमार पुत्र श्री ओंकार मल्ल,
- सभी निवासी दिल्ली रोड, हिसार। (अन्तरक)

2. श्री बलबीर सिंह गोयल पुत्र श्री रमेशवर दास, निवासी 24, बट्टीकेशवर, 88, मैरिन ड्राईव, बम्बई-2। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जोकि मिस्तल (रबड़) इण्डिया के नाम से जानी जाती है में सभी इमारतें जिन में कार्यालय बराम्दा सहित, 24 मजदूरों के मकान, दो फैक्टरी शौड, शौड के लिए बनी हुई अपूर्ण चार दिवारी, सारे प्लाट की चार दिवारी और भीतर जाने के लिए गेट है और जोकि 6 किलोमीटर सटोन के नजदीक दिल्ली रोड हिसार में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 256 मई 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हिसार के कार्यालय में लिखा है।)

ग० प० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 18 दिसम्बर, 1976.

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० आई-4/ए० पी०-239/76-77:—अतः, मुझे,
जी० ए० जेम्स,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 82, पुरानी है, जो प्लॉट सं० 17, नई
प्लॉट सं० 31 में वसोबा वहीलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 8-4-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० वेस्टर्न रोलिंग मिल्स प्रा० लि०, के पारिख हाउस,
47, पी० डिमेलो रोड, बम्बई-400009.

(अन्तरक)

2. मै० बम्बई वेयर हाउसिंग कं० प्रा० लिमिटेड, के० पारिख
हाउस, 47 पी० डिमेलो रोड, बम्बई-400009.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अविभाजित आधा हिस्सा जमीन का वह तमाम टुकड़ा जिसका
पुराना प्लॉट नं० 17 व नया प्लॉट नं० 31, सर्वे नं० 82, गांव
वसोबा, तालुका-अंधेरी, बृहत् बम्बई है जो माप में 4334
वर्गगज (3623 वर्गमीटर है), है, भूराजस्व कलक्टर के रिकार्ड
में सर्वे नं० 82 व म्यूनिसिपल रेड्स व टैक्सेज के कलक्टर के रिकार्ड
में जी-वार्ड नं० 7130 व स्ट्रीट नं० 31 के अंतर्गत दर्ज है तथा
इस प्रकार घिरा हुआ है कि:—पूर्व की ओर वसोबा नामक रोड,
पश्चिम की ओर सागर किनारा, उत्तर की ओर प्लॉट नं० 62
और दक्षिण की ओर प्लॉट नं० 80 है।

जी० ए० जेम्स

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 15 दिसम्बर, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 दिसम्बर, 1976

निर्देश सं० आई०-1/1597-2/अप्रैल, 76:—अतः, मुझे, श्री० आर० अमीन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 226 हा० सं० 3 है, जो बांद्रा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्र-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-4-1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. प्रोन्हीडंड इन्वेस्टमेंट कं० प्रा० लि०। (अन्तरक)
2. शेपर को० आप० हा० सो० लि०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया था।

अनुसूची

पहले:—सरकारी पट्टे की जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर खड़ी बाड़ी किराए के आवास या निवास घर सहित, जिसे बालमोरल हाल के नाम से जाना जाता है, जो बांद्रा में बम्बई उपनगर जिले में और बांद्रा उप-रजिस्ट्री जिल में मौजूद पड़ा र माप से तीन हजार पांच सौ अठतर (3578) वर्गगज बराबर 2991.63 वर्ग मीटर या कुछ कम ज्यादा हो, और ठाणे के कलेक्टर के यहाँ जमा किसी रजिस्टर में विशेष रूप से गैर-कृपि सर्वे नं० 187 बतौर दिखाया गया है, तथा इस प्रकार घिरा हुआ है यानी दक्षिण की ओर दिनांश डलास की संपत्ति, उत्तर की ओर पेस्टनजी गोदीवाला की संपत्ति पूर्व की ओर अंशतः दिनांश डलास की संपत्ति और अंशतः डेग मैनवेल जैसिन की संपत्ति, पश्चिम की ओर हिल रोड है।

दूसरे:—जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो बांद्रा में हिल रोड पर, बांद्रा उप रजिस्ट्री जिले में, और बम्बई उपनगर जिले में मौजूद है, माप से एक हजार एक सौ सत्तानबे (1197) वर्गगज या उसके आसपास कुछ कम ज्यादा हो, और रिवीजन सर्वे नं० 22 पुराना सर्वे नं० 280 है तथा इस प्रकार घिरा हुआ है कि उत्तर की ओर अंशतः डेग मैनवेल जैचिन की संपत्ति और अंशतः पावल घोसल की, दक्षिण की ओर अंशतः दिनांश डलास वकील की संपत्ति और अंशतः पेस्टनजी असावैद की पूर्व की ओर डा० सौज माहिमवाला की संपत्ति तथा पश्चिम की ओर वह संपत्ति है जिसका वर्णन यहाँ उपर किया जा चुका है।

तीसरे:—जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर खड़े पेड़ों सहित, जो बांद्रा और बम्बई उपनगर जिले में मौजूद पड़ा हुआ है, जो राजस्व के ठीक किए हुए रिकार्डों के अनुसार 17 गुंठा (2057 वर्गगज यानी 1720 वर्गमीटर के बराबर) या उसके आसपास है और जिसका सर्वे नं० 226 हिस्सा नं० 3 है।

श्री आर० अमीन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 15-12-1976

अर्जन रेंज-I, बम्बई।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई,

बम्बई, दिनांक 15 दिसम्बर 1976

निदेश सं० अ०ई० 1/1605-10/अप्रैल, 76:—अतः मुझे, व्ही० आर० अमीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० सं० 362 मलबार और कंबाला हील डिवीजन है तथा जो नैपियन सी रोड में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिथो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित:—

1. दि० ग्रेट इस्टर्न शिपींग कं० लि० (अन्तरक)

2. दि ग्रेट इस्टर्न कं० हा० सो० लि० (अन्तरिती)

3. निम्नतिरिक्त:—

क्रमांक किरायेदारों के नाम

1. श्री आनंद लखेरी और कुमारी शामा साराभाई

2. श्री मुराड वाय० फासलभाई

3. कुमारी नसरीन वाय० फासलभाई

4. श्री मुलचन्द मनीलाल शाह और श्रीमती सुशीला मुलचंद शाह।

5. श्री प्रवीणचन्द्र पी० ठक्कर

6. श्री सुमन्त व्ही० चंदावरकर और श्रीमती सुमन एस्० चंदावरकर

7. लेडी वत्सलाबाई चंदावरकर

8. श्री प्रेम कुमार कपूर और श्रीमती कीरण पी० कपूर

9. श्री पूरणचंद सी० मेहरा

10. श्री रशीकलाल जयन्तीलाल मेडीया

11. श्री सुखलाल एस्० पारेख

12. श्री संजीव मुखर्जी

13. श्री शाम डी० भोटाशा

14. श्रीमती उमा धवण

15. श्री प्रणव एन्० पारीख

16. श्री शीतल प्रणाव जैन, श्रीमती प्रमोद जैन और श्री मुकुल जैन।

17. डा० के० रघुराम शेट्टी और श्रीमती शालीनी आर० शेट्टी।

18. श्री अशोक बी० गरवारे और श्रीमती सुषमा ए० गरवारे।

19. श्री मंगलदास आर० कापडीया और श्री राजेश एम० कापडीया

20. डा० रणजीत नानुभाई मजुमदार

21. श्री अनील शीनुभाई कीलाचंद

22. श्रीमती लज्जा मलहोत्रा और श्री व्ही० पी० मलहोत्रा

23. डा० चंद्रकान्त जी० सरय्या और श्रीमती श्रंती सरय्या

24. श्री वीपीन एम० पटेल और श्रीमती सुधा बी० पटेल

25. श्रीमती सोना मलहोत्रा और श्री सुरीन्दर नाथ मलहोत्रा

26. श्री ब्रिज मोहन खन्ना

27. श्री शीव कुमार खन्ना

28. श्री हर्षद फुलचंद शेट

29. श्रीमती विना मलहोत्रा और मीस्टर आर० के० मलहोत्रा

30. श्री वेषप्रकाश अग्रवाल।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहले:—जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग उस पर खड़ी इमारतों सहित, जो नैपियन रोड़, मलबार हिल पर, बम्बई नगर और रजिस्ट्री उप-जिले में मौजूद है, जो माप में 5149 वर्गमीटर या उसके आसपास है, जिसका नया सर्वे नं० 4/7166 है और कैडेस्ट्रल सर्वे नं० 362, मलबार व कम्बाला हिल डिवीजन है तथा म्यूनिसिपल रेट्स व टैक्सेज के असेसर व कलेक्टर द्वारा डी० वार्ड नं० 3277 (1) व 3277 (2) और व स्ट्रीट नं० 13-15 और 11 तथा 10 नैपियन रोड़ के अंतर्गत निर्धारित होता है और इस प्रकार धिरा हुआ है कि उत्तर की ओर एक रास्ता, पूर्व की ओर एच० ई० एच० निजाम आफ हैदराबाद की सम्पत्ति, दक्षिण व पश्चिम की ओर पूर्वोक्त नैपियन रोड़।

दूसरे:—जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग उस पर की इमारतों व ढाँचों सहित, जो नैपियन रोड़, मलबार हिल पर, बम्बई नगर और रजिस्ट्री उप-जिले में मौजूद है, माप में 256 वर्ग मीटर या उसके आसपास और नया सर्वे नं० 1/7168 व कैडेस्ट्रल सर्वे नं० 1/358, मलबार व कम्बाला हिल डिवीजन है तथा म्यूनिसिपल रेट्स व टैक्सेज के असेसर व कलेक्टर द्वारा डी०-वार्ड नं० 3271 पहले स्ट्रीट नं० 19 मौजूदा स्ट्रीट नं० 14 है नैपियन रोड़ के अंतर्गत निर्धारित होता है और इस प्रकार धिरा हुआ है कि, उत्तर की ओर नैपियन रोड़ और उसके आगे वह सम्पत्ति जिसका वर्णन उपर किया गया है, पूर्व की ओर सर कावसजी जहांगीर की कुछ सम्पत्ति है, दक्षिण की ओर पानी का ताला और पश्चिम की ओर बाई धनबाई की वसीयत के ट्रस्टियों की सम्पत्ति है।

श्री० आर० अमीन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 15 दिसम्बर 1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269B
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० आई-1/1607-12/ए० एन०-76:—अतः, मझे,
श्री० आर० अमीन, आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1/724 और 1/738 मलबार तथा कंबाला हिल डिवीजन कारमाइकेल रोड़ में स्थित है (और इसके उपावध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 अप्रैल, 1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बाईचंदा बायी बी० वागा और शंकरलाल रामनाथ दागा। (अन्तरक)
2. आर० जी० बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पैशन और टैक्स पट्टे की जमीन (बेबाक हुई) का वह तमाम टुकड़ा या भाग उस पर छोड़े बंगला, बाड़ियों, किराए के आवासों—या निवास घरों सहित, जो कारमाइकेल रोड़ पर, बम्बई फोर्ट के बाहर बम्बई के रजिस्ट्री उप-जिले में मौजूद पड़ा हुआ है, जो माप में 2943 वर्ग गज यानी 2460.70 वर्गमीटर के बराबर या उसके आसपास कुछ कम ज्यादा हो सकता है और भूराजस्व कलेक्टर के रिकार्ड में नये नं० 2941, पुराने सर्वे नं० 81ए, 405 वर्गगज का एक टुकड़ा है जो उक्त कुल क्षेत्र का भाग है, नये सर्वे नं० 7036 (भाग) और कैडैस्ट्रल सर्वे नं० 1/724 मलबार व कमबोला हिल डिवीजन के अंतर्गत दर्ज है और शेष भाग 2532 वर्ग गज जिसका नया सर्वे नं० 1/738 है मालाबार कम्बाला हिल डिवीजन के अन्तर्गत है और इस प्रकार घिरा हुआ है कि पूर्व की ओर वह सम्पत्ति है जो पहले मानिकजी पैटिट मिल्स की थी, और जिसका सी० एस० नं० 1/725 मलबार व कंबाला हिल डिवीजन है। पश्चिम की ओर कारमाइकेल रोड़, दक्षिण की ओर वह सम्पत्ति है जो पहले खण्डेलवाला की थी, जिसका प्लॉट नं० 7 और सी० एस० नं० 763 (भाग) मलबार व कंबाला हिल डिवीजन है, उत्तर की ओर सुंदरलाल संजीराम की सम्पत्ति प्लॉट नं० 5, सी० एस० नं० 2/736, मलबार व कंबाला हिल डिवीजन और जिन कथित परिसरों का निर्धारण म्यूनिसिपल रेड्स एण्ड टैक्सेज के असेसर व कलेक्टर द्वारा नं० 10(डी०) वार्ड नं० 3451(1) व स्ट्रीट नं० 13 के अंतर्गत होता है।

व्ही० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 15 दिसम्बर 1976

मोहर :

6—396जी०आई०/76

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० आई० 1/1638-2/अप्रैल, 76:—अतः, मुझे, व्ही० आर० अमीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस०-1/836 लड़ी जमशेवजी रोड़ है, तथा जो माहीम डिवीजन में स्थित है (और इसके उपान्वद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेसर्स नैशनल बिल्डर्स । (अन्तरक)
2. मेसर्स ओनर्स इंडस्ट्रियल प्रि० को० प्रा० सो० लि० । (अन्तरिती)
3. निम्न सूचि के अनुसार :—

क्रम सं०	नाम
1.	मेसर्स मौजीलाल एण्ड क० .
1अ.	मेसर्स मौजीलाल एण्ड क० .
2.	श्री फैलिवस वीसिंगर, श्री फ्रांसिस लॉरेंस मस्कारेन्हास और श्री प्रेसियन जे० मस्कारेन्हास ।
3.	श्रीमती रेणुका एल० दुर्गानी
4.	श्री लक्ष्मण गुलाबराय दुर्गानी
4अ.	गैरेज श्री लक्ष्मण जी दुर्गानी
5.	श्रीमती अमीना बेगम मौलवी शामसुद्दीन और श्रीमती सुधरा बेगम
6.	मेसर्स ए० सी० ई० इलेक्ट्रोनिक्स
7.	मेसर्स मूव्युअल प्रिन्टिंग बक्स
8.	श्री शंकर प्रानंद चंदावरकर
9.	श्री रसिकलाल मानेकलाल देसाई
10.	श्री मंघराम लीलाराम लखियानी
10अ.	श्री मंघराम लीलाराम लखियानी
11.	श्री अनंत काशीनाथ सहमते
12.	श्री उत्तमचंद कनैर्यासिंह कुकरेजा
13.	मेसर्स अमर स्टोर्स
14.	श्री मंघराम लीलाराम लखियानी
15.	श्री मंघराम लीलाराम लखियानी
16.	मेसर्स इन्डस्ट्रियल प्लास्टिक्स
17.	श्री मोहन ईसरदास गेहानी
18.	श्रीमती पारवती ऊधाराम
19.	श्री अनील अनंत सहमते और श्रीमती इंदुमती अनंत सहमते
20.	श्रीमती जसोती परबोत्तमदास नारवानी
21.	श्रीमती अमीनाबेगम मौलवी शामसुद्दीन
22.	मेसर्स आ० के० बी० एण्ड क० .
23.	श्री देवीदास दीवानवास
24.	मेसर्स जी० ए० इलेक्ट्रीकल्स इन्डस्ट्रिज
25.	श्रीमती रंजना किशिनचंद मेलवानी
26.	श्रीमती वासीबाई मोतीराम एण्ड अदर्स
27.	श्रीमती शीलादेवी गोरधमदास
28.	मेसर्स आर० सुरश
29.	श्रीमती रंजना किशिनचंद मलवानी
30.	श्रीमती चंद्रा जैठानंद सावलानी
31.	श्री लक्ष्मण सदाशिव आगलकर और श्री हरीश रावजी मालगावकर
32.	श्रीमती गोपी टी० मलकानी
33.	श्री लक्ष्मणदास टेकचंद बधीजा
34.	श्री सेवक हकूमतराय मीरचंदानी

35. श्री रमेश डी० नरता
36. श्री हस्तम विनशाई इरानी
37. श्रीमती चंद्रावती रामचंद
38. श्रीमती राजकुमारी वनशामदास
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पंचान व टैंक्स पट्टे की जमीन या मैदान का बहु तमाम टुकड़ा या भाग, उस पर खड़े ढांचे या ढांचों सहित, जो लेडी जमशेदजी रोड से पीताम्बर लेन को जाने वाली 40 फीट चौड़ी सड़क पर, माहिम, बम्बई में, बम्बई के रजिस्ट्री उप-जिले में और बम्बई के ट्रिप में मौजूद पड़ा हुआ है, माप में 1591 वर्गगज या 1330.24 वर्गमीटर या उसके आसपास है और भूराजस्व कलक्टर के रिकार्ड में पुराने नं० 21, नये नं० 3514, पुराने सर्वे नं० 89, नये सर्वे नं० 97, कैबेस्ट्रल सर्वे नं० 1/836, माहिम डिवीजन के अंतर्गत (फाइनल प्लॉट नं० 505, टाउन प्लानिंग स्कीम बम्बई नगर नं० III (माहिम क्षेत्र), में सेवा उद्योगों के लिए सिपुर्व) दर्ज है और इस प्रकार धिरा हुआ है कि:—उत्तर की ओर लेडी जमशेदजी रोड से पीताम्बर लेन को जाने वाली 40 फीट चौड़ी सड़क, दक्षिण व पूर्व की ओर ग्रैब्रियल जॉन परेरा की इस्टेट, फाइनल प्लॉट नं० 491, टी० पी० एस० बम्बई नगर-III (माहिम क्षेत्र) और सी० एस० नं० 836 माहिम डिवीजन पश्चिम की ओर श्री नाथजी ट्रस्ट नं० 838, माहिम डिवीजन और फाइनल प्लॉट नं० 504 व 504 डी० टी० पी० एस० बम्बई नगर नं० III (माहिम क्षेत्र) है ।

व्ही० आर० अमीन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई ।

तारीख : 15 दिसम्बर, 1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० अ०ई० 2/2307-1/अप्रैल 76:—अतः मुझे, एम० जे० माथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मन प्लॉट न० 9/2 का सब प्लॉट 61 सं० नं० 70 (अंश) जुहु विलेपार्ले डेव्ह० स्कीम में स्थित है (और इससे उपरिद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-4-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण में; मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नरेन्द्रकुमार रतनसिंह कनवार । (अन्तरक)

2. श्री सुनील रसिकलाल शाह । (अन्तरिती)

3. नूतन लक्ष्मी को० ओप० हाउ० सो० लिमि० ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पट्टेदारी की जमीन का मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो जुहु विलेपार्ले डेवलपमेंट स्कीम (इर्ला नाले के रदक्षिण में) में, बृहत् बम्बई, के पम्बई उपनगर जिले में और जिल्हो उप-जिला बान्द्रा में मौजूब पड़ा हुआ है, तथा जुहु गांव के सर्वे नं० 70 का भाग है, माप में 518.33 वर्गगज यानी 433.39 वर्ग मीटर या उसके आसपास है और नूतन लक्ष्मी कोआपरेटिव्ह हाउसिंग सोसाइटी लि० की इस्टेट में मुख्य प्लॉट नं० 9/2 का सब प्लॉट नं० 61 है और इस प्रकार चिरा हुआ है कि पूर्व की ओर 40 फीट चौड़ी सड़क, पश्चिम की ओर सब-प्लॉट नं० 60, उत्तर की ओर सब-प्लॉट नं० 62 और दक्षिण की ओर 60 फीट चौड़ी सड़क है ।

एम० जे० माथन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 16 दिसम्बर 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० अ०ई० 2/2316-1/76-77:—अतः मुझे, एम० जे० माथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 70 (भाग) सब प्लॉट नं० 31 है तथा जो जुहु विलेपार्ले डेव्हलपमेंट स्कीम में स्थित है (और इसे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-4-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती लक्ष्मीबेन सोमाभाई पटेल । (अन्तरक)
2. श्री प्राणजीवनदास चतुर्भुज बालीया, श्रीमती हिराबेन प्राणजीवनदास बालीया । (अन्तरिती)
3. नूतन लक्ष्मी को० आपरेटिव हाउसींग सोसायटी लिमिटेड (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पट्टेदारी की जमीन या मंदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जो जुहु विलेपार्ले डेवलपमेंट स्कीम (हर्ला नाले के दक्षिण में) बृहत् बम्बई के बम्बई उपनगर जिले में और बान्द्रा के रजिस्ट्री उपजिले में मौजूद पड़ा हुआ है, जुहु गांव के सर्वे नं० 70 का भाग है, माप में 800.00 वर्ग गज यानी 668.88 वर्ग मीटर या उसके आसपास है, और नूतन लक्ष्मी को० आपरेटिव हाउसींग सोसायटी लि० की इस्टेट में सब प्लॉट नं० 31 जिए हुआ है तथा इस प्रकार घिरा हुआ है कि पूर्व की ओर प्लॉट नं० 45, पश्चिम की ओर एक सौ फीट का घेरा, उत्तर की ओर प्लॉट नं० 30, दक्षिण की ओर प्लॉट नं० 32, इस सम्पत्ति का सी० टी० एस० नं० 638, जुहु गांव बम्बई नगर व बम्बई उपनगर के उप-जिले में है ।

एम० जे० माथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 16 दिसम्बर 1976
मीहूर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II-, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 499/ए० सी० क्यू० 23-888/4-1/76-77:—

अतः मुझे, पी० एन० मिश्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 137 और 138 है, तथा जो भाङकोदरा, अंकलेश्वर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नवनीत लाल डाह्याभाई, स्वयं तथा एच० यू० एफ० के कर्ता की हैसियत में गोया, बाजार, अंकलेश्वर जिला भरोच ।

(अन्तरक)

(2) प्रिंसिपल आफिसर, में श्रमजीवी पेपर मिल्स (प्रा०) लिमिटेड, भाङकोदरा, डायरेक्टर, गोपालभाई, जवेरीभाई पटेल, सरदार बाग के पास, बारडोली, जिला : सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सं० नं० 137 और 138, कुल माप 7 एकड़ 2 गुंथा है तथा जो हाई वे नं० 8 पर भाङकोदरा ता० अंकलेश्वर जिला भरोच में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अंकलेश्वर के मई, 1976 के रजिस्ट्रीकरण विलेख नं० 247/76 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज -II अहमदाबाद

तारीख : 14-12-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 दिसम्बर, 1976

निदेश सं० 500/ए० सी० न्यु०-23-814/13-1/76-77:—
अतः मुझे, पी० एन० मित्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० न्यु० नं० 3/6/37 और 3/6/38 है, तथा जो पियोनीर हाई स्कूल के सामने, आनन्द में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनन्द में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भूम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रामभाई वाघजीभाई पटेल और चंचलबेन, रामभाई वाघजीभाई पटेल की पत्नी बेटबा, ता० आनंद।
(अन्तरक)

(2) श्री रमेश चन्द्र जीवन लाल भालजा 'परितोश' पियोनीर हाई स्कूल के सामने आनंद
(अन्तरिती)

(3) ग्राउण्ड फ्लोर : सुप्रिटेण्डेंट, पोस्ट आफिस आनंद पहला माप्पा अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'परितोश' नामक जमीन व मकान जिसका न्यु नं० 3/6/37 और 3/6/68 जो पियोनीर हाई स्कूल के सामने आनंद में स्थित है जमीन का कुल माप 350 वर्ग मीटर तथा वो मंजले मकान का माप 150 वर्गमीटर प्रत्येक मंजला जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आनंद के अप्रैल, 1976 के रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 647 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज -II, अहमदाबाद

तारीख : 18-12-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77/766:—

अतः मुझे, वी० के० सिन्हा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० कृषि भूमि है जो भोपाल में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-4-76 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा

1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती वैगम आयशा सुलतान पत्नी नवाब मोहम्मद मनसूर अली खा द्वारा पावर आफ एटार्नी श्री असबउल्ला खा पद श्री सुलेमान निवासी अहमदाबाद, भोपाल। (अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती मनोरमा खट्टर पत्नी श्री दीन दयाल खट्टर
2. श्रीमती नीलम खट्टर पत्नी श्री जोगेश खट्टर
3. श्रीमती आदर्श खट्टर पत्नी श्री मदन मोहन खट्टर सभी निवासी श्यामला हिल्स, भोपाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 19/1, 20 तथा 27 भूमि, 12.90 एकड़ स्थित कोठे फिजा० तह० हुजूर जिला भोपाल।

वि० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० ए० ए०/भोपाल 76-77/778:—

अतः मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि व मकान है, जो सिवनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिवनी में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-4-1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री देवेन्द्र कुमार, राजेन्द्र कुमार, और श्रीमती राधा-देवी निवासी गिरजाकुंज, सिवनी।

(अन्तरक)

(2) दि नागपुर रोमन कैथोलिक डायसेस कारपोरेशन (प्रा०) लिमिटेड, पी० टी० आर० नं० डी०-2, नागपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 8/3 ब्लॉक नं० 6 स्थित सिविल लाइन जिस पर बिल्डिंग बनी है स्थित म्यूनिसिपल कमेटी नं० 157 के ओती बाई, सिवनी।

वि० के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-12-1976

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती जानकी देवी, हीरा लाल, सुभाष लाल, विनोद एवं कु० कमला ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री विजय कुमार कपूर, नन्दकिशोर कपूर स्वयं (अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(3) स्वयं (वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में संपत्ति है)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 नवम्बर 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

निर्देश नं० 30-वी०/अर्जन :—अतः मूझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि एवं मकान है तथा जो भोजा म्यूनिसिपल भीतर पही खास परजा जिला अलमोड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलमोड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—396GI/76

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान एवं कृषि भूमि जो भोजा म्यूनिसिपल भीतर पही खास परजा तह० बजिला अलमोड़ा में स्थित है ।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 30-11-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री गौरा चान्द रथ

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) डा० विजय कुमार सामल

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 32/76-77/आई० ए०सी० (ए० आर०)/बी०बी० एस० आर० यतः मुझे, अमरेन्द्र नाथ मिश्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 18 है, जो सत्यनगर में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भुवनेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-5-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान सत्यनगर (भुवनेश्वर) का, प्लॉट नं० 18 में स्थित है। वह संपत्ति भुवनेश्वर सब रेजिस्ट्रार आफिस में 5-5-76 टारिस में रेजिस्ट्रार हुआ, जिसकी डकुमेंट नं० 3694 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख : 10-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर दिनांक 18 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० 34/76-77/आई० ए० सी०/ए०/आर०)/भुव-
नेश्वर:—यतः मुझ, अमरेन्द्र नाथ मिश्र
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं०-213/4111 है, जो युनिट-1
(भुवनेश्वर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 21-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पूर्ण चन्द्र महापात्र

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बसन्त कुमारी दास स्वामी-बिर किशोर
दास।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान भुवनेश्वर का युनिट-1 में स्थित है। वह
जमीन भुवनेश्वर सब रजिस्ट्रार आफिस में 21-4-76 तारीख में
रजिस्ट्रार हुआ, जिसकी डाकुमेंट नं० 3137 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भुवनेश्वर

तारीख : 18-12-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 58/अप्रैल/76-77 :—अतः, मुझे, जी० रामा-
नाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मनियप्पमपालयम गांव है, जो मद्रास में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रासीपुरम (पत्र सं०
465/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 26-4-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोशनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वेम्बायी पडैयाप्पी और आदि।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० आलीयप्पन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, रासीपुरम तालुका मनियप्पमपालयम गांव
एस० सं० 15/6 में 4.37 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 13-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

- (1) श्री एम० एस० पी० सेन्तीलकुमार श्रीर आदि
(अन्तरक)
- (2) श्री एम० एस० पी० राजेस
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 दिसम्बर, 1976

निदेश सं० 40/अप्रैल/76-77:—अतः, मुझे, जी० रामा-
नाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 60/2 और 56/2 है,
तथा जो नागलूर गांव एकाई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
एकाई (पत्र सं० 73/76 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, एकाई, नागलूर गांव एस० सं० 60/2 और
56/2 में 349.67 एकड़ खेती की भूमि में 4/10 अभिन्न भाग
(मकान के साथ)। दो स्टानमार एस्टेटस) और काफी बोर्ड से
मूल्य (75.76 सीसनी)।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 14-12-1976
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती आर० जगताम्बाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० एस० पी० राजेस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 41/अप्रैल/76-77:—यतः, मुझे, जी० रामा-
नाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 60/2 और 56/2 है,
जो नागलूर गांव एकाई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
एकाई (पत्र सं० 85/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में, कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, एकाई, नागलूर गांव एस० सं० 60/2 और
56/2 में 349.67 एकड़ खेती की भूमि में 1/10 अभिन्न भाग
(मकान के साथ) (दो स्टानमार एस्टेट्स) और काफी बोर्ड से
मूल्य (75.76 सीसन)।

जी० रामानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 14-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती बी० सुसीला

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री एम० एस० पी० राजेस

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 विसम्बर 1976

निदेश सं० 42/अप्रैल/ 76-77 :—अतः मुझे, जी० रामानाथन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 60/2 और 56/2 है, जो नागलूर गांव एकाई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एकाई (पत्र सं० 75/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, एकाई नागलूर गांव एस० सं० 60/2 और 56/2 में 349.67 एकड़ खेती की भूमि में 1/20 अभिन्न भाग (मकान के साथ), (डी० स्टानमार एस्टेट्स) और काफी बोर्ड से मूल्य (75.76 सीसन)

जी० रामानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 14-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्रीमती वी० जयन्ती

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० एस० पी० राजेस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 43/अप्रैल/76-77 :—यतः, मुझे, जी० रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 60/2 और 56/2 है, जो नागलूर गांव एर्काड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एर्काड (पत्र सं० 83/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला एर्काड, नागलूर गांव एस० सं० 60/2 और 56/2 में 349.67 एकड़ खेती की भूमि में 1/10 अमिन्न भाग (मकान के साथ) (दी स्टानमार एस्टेट्स) और बंगलूर काफी बोर्ड से मूल्य (75.76 सीसन)

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 14-12-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 47/मई/76-77:—यतः, मुझे, जी० रामा-

नाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० आर० एस० सं० 60/2 और 56/2 है,
जो नागलूर गांव एकाई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
एकाई (पत्र सं० 99/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 मई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
8-396GI/76

(1) श्रीमती यू० विकटरी

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एस० पी० राजेश

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला एकाई, नागलूर गांव एल० सं० 60/2 और 56/2 में
349.67 एकड़ खेती की भूमि में 1/10 अगिल माग (मकान
के साथ)। (दो स्टानमार एस्टेट) और बेंगलूर काली बोर्ड
सें मूल्य (75.76 सीसन)।

जी० रामनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 14-12-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 44/अप्रैल/76-77 :—यतः, मुझे, जी० रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3/2 और 3/8 है, जो पट्टीपाडी गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एर्काड (पत्र सं० 59/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सरस्वती अम्माल और आदि ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एन० सुब्रमणिय चेट्टीयार

एम० एन० मुरुगप्पन और एम० एन० के० एम० सरस्वती आच्ची ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, एर्काड, पट्टीपाडी गांव एस० सं० 3/8 (5.21 एकड़) और 3/2 (4.19 एकड़) में 9.40 एकड़ खेती की भूमि और आदि । (और 75.76 सीसन की काफी की ईन्कम)

जी० रामानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 14-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निवेश सं० 47/अप्रैल/76-77 :—यतः, मुझे, जी० रामा-
नाथन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3/2, 3/8, 3/5 और 3/6 है, जो पट्टी-
पाडी गांव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एकाड
(पत्र सं० 58/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सरस्वती अम्माल और आदि

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एन० सुब्रमणिय चेट्टीयार

एस० एन० मुरुगप्पन और एस० एन० के० एम०
सरस्वती आच्छी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, एकाड, पट्टीपाडी गांव, एस० सं० 3/5 (0.44
एकड़), 3/6 (2.62 एकड़) 3/8 (2.18 एकड़) और 3/2
(4.21 एकड़) में 9.45 एकड़ खेती की भूमि और आदि।
(और 75.76 सीसन की काफी की ईन्कम)।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 14-12-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 50/अप्रैल/76-77:—यतः, मुझे, जी० रामा-
नाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 3/5 और 3/2 है, जो पट्टीपाडी में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एकाई (पत्र सं० 57/76)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अप्रैल, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वारतधिक रूप से ब्यक्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरस्वती अम्माल और आदि ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एन० सुब्रमणिय चेट्टीयार, एस० एन०
मुरुगप्पन और एस० एन० के० एम० सरस्वती
अम्मी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, एकाई, पट्टीपाडी गांव एस० सं० 3/5 (5.21
एकड़), और 3/2 (4.19 एकड़) में 9.40 एकड़ खेती की भूमि
और आदि, (और 75.76 सीसन की काफी की ईन्कम) ।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 14-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निदेश सं० 53 /अप्रैल/76-77:—यतः, मुझे, जी० रामा-
नाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है और

जिसकी सं० 3/6 और 3/2 है, जो पट्टीपाडी गांव में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एर्काड (प्लॉ सं० 56/76)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों धर्तात् :—

(1) श्रीमती सरस्वती अम्माल और आदि

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एन० सुब्रमणिय चेट्टीयार, एस० एन०
मुद्गापन और एस० एन० के० एम० सरस्वती अम्ची
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20 में यथा परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, एर्काड, पट्टीपाडी गांव एस० सं० 3/6
(5.22 एकड़), और 3/2 (4.19 एकड़) में 9.41 एकड़
खेती की भूमि और आवि (और 75.76 सीसन की काफी की
ईन्कम)।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेंज-1, मद्रास

तारीख : 14-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री पी० तुकराज

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कोलन्डन्न कवुन्दर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 दिसम्बर 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

निर्देश सं० 27/अप्रैल/76-77:—यतः, मुझे, जी० रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और

जिसकी सं० 367/9 और 369/3 है, जो पट्टपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोमारपालयम (पत्र सं० 474/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का) के अधीन, अप्रैल, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

सेलम जिल्ला, पट्टपालयम गांव एस० सं० 367/9 (0.46 एकड़) और 368/3 (2.10 एकड़) में 2.56 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन-रेंज-1, मद्रासतारीख : 15-12-76
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री नाच्चीमत्तु गऊन्डर और आदि।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री पलनि गऊन्डर

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० 32/मई/76-77—यतः, मुझे, जी० रामा-

नाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० 43/2 है, जो पडवीडु गाँव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संकरीदुर्ग (पत्र सं० 391/67) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पित:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, संकरी तालुका, पडवीडु गाँव एस० सं० 43/2 में 7.66 एकड़ खेती की भूमि में आदा (अभिन्न) भाग (3.83 एकड़)।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 17-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री केडेयम (पजागऊन्डर) और आदि
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० पलनि गऊन्डर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० 46/मई/76-77—यतः, मुझे, जी० रामा-
नाथनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है औरजिसकी सं० 314/2 ए० है, जो संगगिरि गांव में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, संगगिरि (पत्त सं० 348/76) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
मई, 1976को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, संगगिरि गांव एस० सं० 314/2 ए० में
6.07 एकड़ खेती की भूमि में 2/3 अभिन्न भाग।जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रासतारीख : 17-12-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

निदेश सं० आर० ए० सी० 201/76-77 :—यतः, मुझ, के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6-136/5 है, जो हिमायतनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-4-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति; को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9-396 जी आई 76

(1) श्रीमती कदीजाबेगम पिता खाले बादाम घर नं० 3-6-136/5 ता० 12- हिमायत नगर हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती राजीया बेगम पती रफीख सैयदखान नं० 154 नलागुहा सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का बाग और उसका फेंडेशन नं० 3-6-136/5 ता० 12 (पुराना नं० 3-6-144/1) विस्तीर्ण 417 वर्ग गार्ड हिमायत नगर, हैदराबाद दस्तावेज नं० 730/76 है । रजिस्ट्रार कार्यालय जीनट रजिस्ट्रार हैदराबाद में कराया है 21-4-1967 के दिन ।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 10 दिसम्बर 1976

निदेश सं० आर० ए० सी० 202/76-77:—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 6-1-132 है, जो चिन्नाबाजार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोतागुडम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल 4, 1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती वनवनपु-नागरतनम्मा पती वीरप्पा-कोतागुडम मदीगुडम-तालूक कसम-जिला (अन्तरक)

(2) (1) श्री तुटारी तुरनगप्पा पिता रामय्या मडीगुडम कसम-जिला (2) तुटारी नारायणा-रामय्या कम्मम (अन्तरिती)

(3) श्री सयद कलीम और ब्रादर्स तरकारी व्यापारी कोतागुडम।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, ओ भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 6-1-132 चिन्नाबाजार कोतागुडम में है कुल जमीन में विस्तीर्ण -71 वर्ग मीटर राजस्त्री कीरामी उप रजिस्ट्रार कोतागुडम में दस्तावेजनं० 265/76 तारीख 30-4-76 के अन्तर।

के० एस० वेंकटरामन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 203/76-77 :—यतः, मुझे, के०-एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी बाग सं० 5-2-655 है, जो कनटेशवर रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, तय पाया गया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एम० आनन्दम पिता एम० वेंकटरंगय्यागारु और मै० एस० शरमा पिता लशमनराऊ नैजामाबाद उसका अधिकारी एम० एम० सीम्माच्वेलम, नैजामाबाद। (अन्तरक)

(2) श्री ठाकुर सिंह पिता श्री राम सिंह केयर ऑफ रामसिंह मूलेसिंह, नैजामाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक रुम मद्रास टेरासरूम कुल जमीन अन्तराफ दीवार के साथ उसका विस्तीर्ण 622 वर्ग यार्ड भूमिपल नं० 5-7-655 कनटेशवर रोड नैजामाबाद दस्तावेज नं० 467/76 रजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद 26-4-76 के दिन :—

उसके अन्तराफमें

पूर्व : कनटेशवर रोड

पश्चिम : बेचनेवाले की जमीन

उत्तर : पुलिस की जमीन

दक्षिण : बेचनेवाले का घर

के० एस० वेंकटरामन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-12-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

निदेश सं० आर० ए० सी० 204 / 76-77 :—यतः,
मुझे, के० एस० वेंकटरामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिनकी सं० 5-7-655 है, जो कनटेश्वर रोड में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नैजामाबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 28-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रातशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (1) श्री एम अनन्दाए पिता एम वेंकटरामय्या (2)
और येस शरमा पिता लशमन कनटेश्वर रोड,
नैजामाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री धनणधर राऊ पिता अन्नताराऊ मगदी विलेज
आरमूर तालूका नैजामाबाद जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त व्यक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मन्नास टेरास घर नं० 5-7-655 कनटेश्वर रोड, नैजामाबाद
उसका विस्तीर्ण 480 वर्ग गज बेचा गया दस्तावेज नं० 532/76
जौनट रजिस्ट्रार कार्यालय आफिस में 28-4-1976 के
दिन।

जमीन के अन्तरण में

दक्षिण में: बेचने वाले की जमीन (नं० 12)

उत्तर में: बेचने वाले की जमीन (नं० 10)

पूर्व में: बेचने वाले की जमीन

पश्चिम में: बेचने वाले की जमीन (नं० 3)

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 10-12-1976

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० आर० ए० सी० 205/76-77 :—यतः, मुझे, के० एस०-वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सूचना प्रदायिका को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5-7-655 है, जो कन्टेशवर रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम; के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० अननन्दम और मै० एस० शरमा आयाकर प्राकटी-
शनर नैजामाबाद उनका अधिकारी एम० सीमचेलम
पिता वेंकटरनगमन नैजामाबाद (अन्तरक)

(2) श्री जेनद्रावर्दन पिता घनगधरराऊ मद्रगी गांव आरमूर
तालूका नैजामाबाद जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन शेंड स्तल का भाग नं० 5-7-655 कन्टेशवर रोड नैजामाबाद विस्तीर्ण 264.58 वर्गमीटर दस्तावेज नं० 533/76 रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय उप-रजिस्ट्रार नैजामाबाद किरायी है 28-4-1976 के दिन।

जमीन के अन्तराप में

दक्षिण : रास्ता

उत्तर : बेचनेवाले का जमीन (नं० 4)।

पूर्व : बेचनेवाले का जमीन।

पश्चिम : पुलिस का कार्यालय

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 10-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

निदेश सं० आर० ए० सी० 206/76-77 :—यतः मुझे, के०
एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 5-7-655 है, जो कनटेशवर रोड में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैजामाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 28-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री येम आननदम पिता येम वेंकटरंगय्या और ये
येस शर्मा पिता लक्ष्मन कनटेशवर रोड, नैजामाबाद
(अन्तरक)

2 श्री जीशम पिता आननदम मारेडपली सिकन्दराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

तीन शेड स्टल का बाग नं० 5-7-655 कनटेशवर रोड
नैजामाबाद विस्तीर्ण 305.65 वर्गमीटर डाकोमेन्ट नं० 534/76
रजिस्ट्री की गई है उप रजिस्ट्रार कार्यालय नैजामाबाद
28-4-1976 के दिन।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख : 10-12-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/5943/76-77/ए० सी०-क्यू०/बी० :—यतः मुझे, एम० हरिहरन् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 566 है, तथा जो II दूसरा क्रॉस रोड, राबरटसन पेट, के० जी० एफ०, राबरटसन पेट होबली बंगलूर पेट तालूक कोलार जिला

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर पेट, कोलार जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-4-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० रहमतुल्ला खान सुपुत्र हाजी एम० खादर खान, नं० 3 बेनसन क्रॉस रोड, बेनसन् टाऊन, बंगलूर-46 (अन्तरक)

(2) श्रीमती मैट्टुघोसा, पत्नी ए० हमीद खान, नं० 566 II-क्रॉस रोड राबरटसन पेट, के० जी० एफ० राबरटसन पेट होबली बंगलूर पेट तालूक, कोलार जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 71/76-77 ता० 8-9-1976)

साग संपत्ति का सं० (खाधा नं०) 523 और असेसमेंट नं० 566 II-क्रॉस रोड राबरटसन पेट के० जी० एफ०

क्षेत्र : पूर्व-61', और उत्तर से दक्षिण—61'

पूर्व-66', पश्चिम—खाली जगह

पश्चिम का कामपौड पूर्व से पश्चिम -28' और उत्तर से दक्षिण -66' दक्षिण में पूर्व से पश्चिम -40' -6" और उत्तर से दक्षिण -7'

मकान का क्षेत्र : पूर्व से पश्चिम -56' उत्तर से दक्षिण -44' बांध

पूर्व : बी० मुरुगन का मकान

पश्चिम : II-क्रॉस रोड

उत्तर : कृष्णमूर्ति का मकान

दक्षिण : लेवली रोड।

एम० हरिहरन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 4-12-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० सी०आर० सं० 62/5953/76-77/ए० सी०-
क्यू०/वी० :—यतः मुझे, एम० हरिहरन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जमकी सं० 79/8 है, तथा जो III ब्लाक, जयलक्ष्मी-
पुरम मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैसूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
22-4-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बी० आर० राधामनी पत्नी श्री बी० आर०
रामस्वामी

2. श्री बी० आर० रामस्वामी सुपुत्र बी० रामानुज
अय्यंगर

3. श्री बी० आर० नन्द किशोर सुपुत्र नं० (1) और (2)

4. मास्टर बी० आर० रघुनंदन } (मनेरस) रेप्रजेड
5. मास्टर बी० आर० उदयकुमार } बाई वि० आर०
6. मिस मैथिलि } रामस्वामी

3622/5, उमरखयाम रोड, मंडीमोहल्ला मैसूर (अन्तरक)

(2) श्री एस० एन० पान्थसारथी सुपुत्र स्व० आर० श्रीनिवास
नरसिंहाचार नं० 212, नारायण शक्ति रोड, के० आर०
मोहल्ला, मैसूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 65/76-77 ता० 22-4-76)

नं० 79/8, तीसरा ब्लाक, मेट्रोनेट हास्पिटल रोड, जय-
लक्ष्मीपुरम, बानी विलास मोहल्ला, मैसूर-2

जगह क्षेत्र:—पूर्व से पश्चिम-74' }
उत्तर से दक्षिण : 5½' } 3811 स्केयर फीट
मकान का क्षेत्र : 10 वर्गफुट }

बांध

पूर्व : रोड

पश्चिम : खाली जगह

उत्तर : रोड और

दक्षिण : श्री शिवप्पा का नं० 78/7,

एम० हरिहरन्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 4-12-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/5956/76-77/ए० सी०-
क्यू०/बी० :—यतः मुझे, एम० हरिहरन्
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 45 है, तथा जो 4 क्रॉस रोड, गांधी नगर
बंगलूर-9 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी-
नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, ता० 10-5-76 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपावे में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—396जीआई/76

(1) मसर्स मैसूर टिन वर्क्स रेप्रेजेंटेटिव्स आई श्री मनोरदास
मादवजी नं० 1564/3, नगप्पा व्हाक श्रीरामपुरम,
बेंगलूर-560021

(अन्तरक)

(2) श्री जीत मल चोरडिया सुपुत्र गणेशमल चोरडिया
6 क्रॉस गांधी नगर, बेंगलूर-560009

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 90/76-77 ता० 10-5-76)

नं० 45, 4 क्रॉस रोड, गांधी नगर, बेंगलूर-9 नं० 66/1
और 66/2 (पुराना 116 और 117) का विभाग

बांध

पूर्व—रोड

पश्चिम—नं० 45/ए० (महावीर चन्द और प्रेमचन्द चोरडियाका)

उत्तर : रोड और

दक्षिण : मोती महल

एम० हरिहरन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 3-12-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 दिसम्बर 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/5957/76-77/ए० सी० क्यू०/-
बी० :—यतः मुझे, एन० हरिहरन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० 45 ए० है, जो 4 क्रास रोड, गांधीनगर
बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर
बंगलूर-9 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 10-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स मैसूर टिन वर्क्स, रेप्रेजेटेड बाई श्री मनोरदास
मुदावजी 1564/3, नागप्पा ब्लाक, श्रीगमपुरम,
बंगलूर-560021

(अन्तरक)

(2) 1. महावीर चन्द 2. प्रेमचन्द चोरडिया सुपुत्र चेतमल
चोरडिया 6 क्रास, गांधीनगर, बंगलूर-560009

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 91/76-77 ता. 10-5-76)

नं० 45/ए० 4 क्रास रोड, गांधीनगर, बंगलूर-9 नं० 66/1
और 66/2 (पुराना 116 और 117) का
बांध

पूर्व : जेतमल जोरडिया का नं० 45

पश्चिम : ज्योत्सबेन मनोरदास बालिया

उत्तर : रोड और

दक्षिण : मोती महल

एन० हरिहरन्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 3/12/76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 14 दिसम्बर 1976

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 371—यतः मुझे, बि० बि०
सुब्बाराव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 46-17-36, दानवायपेट राजमन्डी है,
जो मैनरोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकिनाडा
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 30-4-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्य-
मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. एम० एस० प्रसाद, नई दिल्ली
2. एम० एस० रामाराव, लन्दन (अन्तरक)
- (2) श्रीमती नमुडूरी सेषम्मा राजमन्डी (अन्तरिती)
- (3) 1 श्री एम० बि० के० एल० एन० राजू
2 श्रीमती डी० लक्ष्मी (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

काकिनाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 30-4-76
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1316/76 में निगमित अनुसूची
सम्पत्ति।

बि० बि० सुब्बाराव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 14-12-76
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक दिसम्बर 1976

निर्देश सं० आई० 1/1641-5/मार्च 76:—अतः मुझे, व्ही०
आर० अमीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एम० नं० 8 दादर और नायगांव डिवीजन
सब नं० 1957, 1962 है, जो जक्शन डा० बी० आंबेडकर रोड
और डी० फालके रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 23-4-76 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. ई० एस० आंध्रप्रदेश (अन्तरक)
2. मैसर्स हिंदमाता कटपीस मरचंट्स एसो० को० आ० हा०
सो० लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो
दादर रोड (जो डा० बाबासाहेब आंबेडकर रोड, परेल बम्बई
नगर वरजिस्ट्री उप-जिले में, माप स. लगभग 4683.13 वर्गगज
या 3915.70 वर्गमीटर या उसके लगभग है (जो उस बड़े भूभाग
का अंग है जिसकी माप पहले 13456 वर्गगज यानी 11280.96
वर्गमीटर के बराबर या उसके आसपास है)। और लाँटन के सर्वे
सं० 1962 और केडेस्ट्रल सर्वे सं० 8 दादर नायगांव डिवीजन है
तथा जमीन के टुकड़े का भाग जो माप से 116563.63 वर्गगज
यानी 97462.36 वर्गमीटर है और जिसका लाँटन सर्वे नं०
1957 और केडेस्ट्रल सर्वे नं० 8 दादर, नायगांव डिवीजन है और
इस प्रकार चिरा हुआ है कि पूर्व की ओर उक्त आंबेडकर रोड पश्चिम
की ओर टाटा मिल्स की जमीन जिसमें भूमिगत जलस्थान और
पंप रूम है उत्तर की ओर उस जमीन के बड़े टुकड़े के भाग से
जिसकी माप 13456 वर्गगज और जिस पर लाँटन सर्वे नं०
1962 है और दक्षिण की ओर टाटा मिल्स की दूसरी जमीन
जिसमें एक रोड और मुख्य कार्यालय बिल्डिंग, समय कार्यालय
भंडार तेल गोदाम, गैरेज और अन्य ढांचे हैं और जमीन के
इस टुकड़े को इसके अनुलग्न नक्शे में रेखांकित करके उसे
गुलाबी छायाशंकन से दिखाया गया है।

व्ही० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : दिसम्बर, 1976

मोहर :

अधीनस्थ सेवा आयोग

विज्ञप्ति

श्रेणी—'घ' आशुलिपिक प्रतियोगितात्मक परीक्षा, अप्रैल, 1977

दिनांक 1 जनवरी, 1977

सं० 13/4/76-ई० ए० :—केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 'घ', मणस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 'घ', भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के उप-संवर्ग की श्रेणी III और संसदीय कार्य विभाग में श्रेणी III आशुलिपिकों की अस्थायी रिक्तियों में भर्ती के लिए, अधीनस्थ सेवा आयोग, नई दिल्ली द्वारा बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर और विदेशों में चुने हुए भारतीय दूतावासों में, 16 अप्रैल, 1977 को शुरू होने वाली एक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा ली जाएगी।।

2. पात्रता की शर्तें:—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा/मणस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा/भारतीय विदेश सेवा (ख) का ग्रेड VI या V या संसदीय कार्य विभाग में निम्न/उच्च श्रेणी लिपिक के पद में से किसी एक का नियमित रूप से नियुक्त अधिकारी हो तो निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता हो—

(क) सेवा काल:—निम्न/उच्च श्रेणी अथवा सम्बन्ध सेवा के समकक्ष ग्रेड में पहली जनवरी, 1977 को दो वर्ष की अनुमोदित और लगातार सेवा से कम न हो।

(ख) आयु:—पहली जनवरी, 1977 को 45 वर्ष से अधिक न हो। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों और कुछ अन्य निर्धारित वर्गों के लिए ऊपरी आयु सीमा में छूट होगी।

3. फीस:—8/रु० (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के लिये 2/- रु०)

4. पूरे विवरण तथा आवेदन प्रपत्र, अधीनस्थ सेवा आयोग पश्चिम खंड, 1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022, को 1-00 रु० (यदि आवेदन-प्रपत्र रिकार्डिड डिलीवरी मिस्टम ट्राए मंगाना चाहते हों तो 2-00 रु०) के रेखित (प्राप्तकर्ता लेखा) भारतीय पोस्टल आर्डर, जो अधीनस्थ सेवा आयोग को रामकृष्णपुरम (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली पर देय हो, भेज कर अथवा आयोग के कार्यालय के बिक्री काउंटर पर नकद भुगतान कर के प्राप्त किए जा सकते हैं।

5. भरे हुए आवेदन-पत्र आयोग को 31 जनवरी, 1977 (विदेशों या अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रह रहे उम्मीदवारों के लिए 14 फरवरी, 1977) तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

ओ० प्री० बंसल, सचिव

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 4th December 1976

No. P/271-Admn.I.—In supersession of Union Public Service Commission Notification of even number dated 18-10-1976, Shri S. P. Chakravarty, a permanent Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission has been appointed as Officer On Special Duty (Confidential) in the office of the Union Public Service Commission for a period of 3 months with effect from the forenoon of 4th October 1976, or until further orders whichever is earlier, on usual deputation terms.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary
for Chairman
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 9th December 1976

No. PF/S-9/70-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Datta, I.P.S. (Uttar Pradesh 1959) as Deputy Inspector General of Police, Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 8th November, 1976 until further orders.

P. S. NIGAM
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi-1, the 13th December 1976

No. 2/39/76-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri B. K. Gupta (I.R.S.) as Commissioner for Departmental Enquiries in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 4th December 1976 until further orders.

C. NARAYANASWAMY
Deputy Secretary
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110001, the 10th December 1976

No. O.II-91/69-Estt.—Consequent on the expiry of the term of re-employment in the CRP Force, Lt. Col. V. D. Bhonsle (Retd.) relinquished charge of the post of Commandant Group Centre, CRPF, Nagpur on the afternoon of 2nd July 1976.

No. O.II-280/69-Estt.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri Kashmira Singh Rana, Assistant Commandant, Group Centre, No. 2, CRPF Ajmer, retired from Government service on the afternoon of 6th November 1976.

The 13th December 1976

No. O.II-246/76-Estt.—Consequent on the expiry of the period of extension of service granted to him beyond the age of superannuation, Shri K. Karunakaran Nair, relinquished charge of the post of Dy. SP. (Company Commander/QM) 18th Bn., CRPF on the afternoon of 14th November 1976.

The 15th December 1976

No. O.II-25/75-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Col. Y. S. Awasthi (Retd.) Commandant Signal Group Centre, Central Reserve Police Force with effect from 11-11-76 (AN).

No. O.II-1024/72-Estt.—The services of Shri Deepak Chopra, Dy. S.P. EDP Cell, Directorate General, CRPF are placed at the disposal of Directorate of Co-ordination Police Computers, Ministry of Home Affairs, with effect from the forenoon of 1-12-1976.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, CENTRAL
REVENUES

New Delhi, the 10th December 1976

No. Admn-I/5-5/Promotion/76-77/O.O.1001/2476.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri Shanti Prasad, permanent Accounts Officer retired from Govt. Service with effect from the afternoon of 30th November 1976.

The date of birth of Shri Prasad is the 14th November 1918.

M. L. SOBTI
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
UTTAR PRADESH

Allahabad, the 27th November 1976

O.O. No. Admn.I/11-144(xii)/310.—The Accountant General, U.P. I, Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in this office with effect from the dates noted against each :—

- (1) Shri Babban Lal—26-11-76
- (2) Shri R. Vishwanathan—23-11-76
- (3) Shri Rajendra Prasad Srivastava—23-11-76
- (4) Shri Harsu Lal Mishra—23-11-76.

U. RAMACHANDRA RAO,
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 8th December 1976

No. E.B.I./8-312/76-77/356.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri P. S. Narasimhan, a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 340—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1-12-1976 till further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

S. R. MUKHERJEE,
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
RAJASTHAN

Jaipur, the 14th December 1976

No. Admn.II/G.G-Notification/1383.—The following Section Officers of the Office of the Accountant General, Rajas-

than, Jaipur are appointed as officiating Accounts Officers from 30-11-76 (FN) until further orders :—

1. Shri Ram Swaroop Sharma.
2. Shri Girdhari Lal Sarswat
3. Govind Behari Lal Mathur.

R. A. BIRKAR,
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-700016, the 3rd December 1976

No. 91/76/G.—On attaining the age of 58 years Shri D. R. Khadke, Offg. Asstt. Manager (Permt. Foreman), has been granted extension of Service for a period of one year with effect from 1st June, 1976.

The 8th December 1976

No. 94/76/G.—On expiry of Leave Preparatory to Retirement, Shri S. K. Murti, Offg. Asstt. Manager (Subst. & Permt. Foreman), retired from service with effect from 30th November, 1976 (AN).

M. P. R. PILLAI,
Asstt. Director General,
Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 14th December 1976

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1161/76-Admn(G)/7824—The President is pleased to appoint Shri Mahendra Pratap Singh (U.P. State Judicial Service-Class-I) as Deputy Legal Adviser in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from 25-11-1976 (forenoon), for a period of one year or till the recruitment rules for the post are finalised, whichever, is earlier.

A. S. GILL,
Chief Controller of
Imports and Exports

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

ADMN. SEC.A-6

New Delhi, the 24th November 1976

No. A-17011/113/76-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri H. B. Sharma, Permanent Examiner of Stores (Engg.) in the N.I. Circle, New Delhi to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Calcutta Inspectorate under this Dte. General with effect from the forenoon of 30th October, 1976 until further orders.

The 14th December 1976

No. A/17011(105)/76-A.6.—The President has been pleased to appoint Shri Rajender Prasad, a candidate nominated on the results of the Engineering Services Examination 1975 to officiate in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service (Class I) w.e.f. 20-11-76 until further orders.

Shri Prasad, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the office of the Director of Inspection Bombay from the forenoon of 20-11-76.

No. A/17011(106)/76-A6.—The President has been pleased to appoint Shri Rajendra Prakash Singh, a candidate nominated on the results of the Engineering Services Examination 1975 to officiate in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service (Class I) w.e.f. 15-11-76, until further orders.

Shri Singh, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the office of the Director of Inspection Madras from the forenoon of 15-11-76.

No. A/17011(107)/76-A6.—The President has been pleased to appoint Shri Surinder Mohan Munjal a candidate nominated on the results of the Engineering Services Examination 1975 to officiate in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service (Class I) w.e.f. 22-11-76 until further orders.

Shri Munjal assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) in the office of the Director of Inspection Bombay from the forenoon of 22-11-76.

SURYA PRAKASH,
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 9th December 1976

No. 4(10)/76-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Kaling Borang as Programme Executive, All India Radio, Dibrugarh in a temporary capacity with effect from the 8th November, 1976 and until further orders.

No. 4(10)/76-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Pura Tado as Programme Executive, All India Radio, Dibrugarh in a temporary capacity with effect from the 9th November, 1976 and until further orders.

P. K. SINHA,
Deputy Director of Administration,
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 14th December 1976

No. A.19012/3/74-Est.II.—Shri S. P. Gupta, Exhibition Assistant, is appointed as Field Exhibition Officer in this Directorate at Varanasi in a temporary capacity on *ad-hoc* basis with effect from 1st December 1976 (forenoon), until further orders.

No. A.19012/1/76-Est.II.—Shri F. H. Naqvi, Exhibition Assistant, is appointed as Field Exhibition Officer in this Directorate at New Delhi in a temporary capacity on *ad-hoc* basis with effect from 1st December 1976 (forenoon), until further orders.

R. DEVASAR,
Deputy Director (Administration)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 10th December 1976

No. A.22018/79/76.CHS.I.—Consequent on his transfer Dr. Subhash Chakraborty, an officer of G.D.O. Grade I of the C.H.S. relinquished charge of the post of Deputy Airport

Health Officer in the Airport Health Organisation, Calcutta Airport, Dum Dum, on the after-noon of the 17th July 1976, and assumed charge of the post of Deputy Port Health Officer in the Port Health Organisation, Kandla on the forenoon of the 28th July 1976.

The 14th December 1976

No. A.12026/135/76-CHS.I.—Consequent on his transfer, Dr. S. L. Shanbhag, an officer of G.D.O. Grade II of the C.H.S. relinquished charge of the post of J.M.O. in the C.G.H.S., Dispensary, Wadala under C.G.H.S., Bombay, on the afternoon of the 4th October, 1976 and assumed charge of the post of Assistant Airport Health Officer in the Airport Health Organisation, Bombay on the forenoon of the 5th October, 1976.

K. VENUGOPAL,
Deputy Director Administration (CHS).

New Delhi, the 15th December 1976

No. 20/1(26)/75-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. L. K. Pradhan to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt. Health Scheme at Patna on temporary basis with effect from the forenoon of 8th November 1976.

No. 20/1(26)/75-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. K. L. Jana to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme at Allahabad on temporary basis with effect from the forenoon of 13th August, 1976.

No. A.12026/62/76-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. R. Darane to the post of Administrative Officer in the Central Government Health Scheme, Bombay on ad hoc basis with effect from the forenoon of 4th August, 1976.

R. K. JINDAL,
Deputy Director Admn. (CGHS)

New Delhi, the 15th October 1976

No. A.12025/9/76(CGHS)Admn.I(Pt.II).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Y. C. Sharma to the post of Dental Surgeon, Central Government Health Scheme, Kanpur, with effect from the forenoon of 12th October, 1976 in a temporary capacity and until further orders.

No. A.12025/9/76(CGHS)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. M. L. Karwall to the post of Dental Surgeon, Central Government Health Scheme, Bombay, with effect from the forenoon of 21st October, 1976 in a temporary capacity and until further orders.

S. L. KUTHIALA,
Deputy Director Administration (O&M)

PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

Dehra Dun, the 13th December 1976

No. 3-2/76-Adm.—Shri Ram Rattan Yadav, Extra Assistant Conservator of Forests, Madhya Pradesh Administration (Forest Deptt.) is hereby appointed as Assistant Conservator of Forests in Preinvestment Survey of Forest Resources, Dehradun w.e.f. 14-10-76 (F.N.) until further orders.

ROMESH CHANDRA,
Chief Coordinator

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION (NARORA ATOMIC POWER PROJECT)

Bombay-5, the 25th September 1976

No. NAPP/18/106/75-Adm.8678.—On his transfer from Rajasthan Atomic Power Project, Shri K. Gangadharan, Scientific Officer/Engineer Grade SB is hereby appointed in the Narora Atomic Power Project at Narora in the same capacity with effect from forenoon of August 10, 1976 until further orders.

The 7th December 1976

No. NAPP/18/106/75-Adm/7135.—On his transfer from Heavy Water Project, Baroda, Shri B. J. Parikh, Scientific Officer/Engineer Grade SB is hereby appointed in the Narora Atomic Power Project at Narora in the same capacity with effect from afternoon of November 18, 1976 until further orders.

R. J. BHATIA,
General Administrative Officer,
for Director, PPED

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thana-401 504, the 30th November 1976

No. TAPS/Adm/673-A(XIV).—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints S/shri D. Narayana, temporary Foreman and Mohanlal, temporary Scientific Assistant 'C' in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific Officer/Engineer (SB) in the same Power Station in temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1976.

K. V. SETHUMADHAVAN,
Chief Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 10th December 1976

ORDER

Ref. NFC/PA.V/20/B-81/2540.—WHEREAS it was alleged that

Shri Mohd. Badiuzzama, while functioning as Tradesman 'B', MES, has been frequently remaining absent from duty without any intimation. He remained absent without prior permission on 7 occasions during 1974 and on 8 occasions during 1975. The said Shri Badiuzzama is absenting himself from duty from 5-11-1975 till date without any permission and causing dislocation to the work. He has thus contravened the provisions of para 39(5) of the NFC Standing Orders.

AND WHEREAS Memorandum bearing No. NFC/PA.V/B-81/20/206 dated 16-2-1976, informing the said Shri Badiuzzama of the charge and proposing to hold an inquiry against him was sent by registered post acknowledgement due to the last known address of the said Shri Badiuzzama at Hyderabad and the same has been returned from the post office with the remarks "left without instructions",

AND WHEREAS the said memorandum was sent again to the last known address of the said Shri Badiuzzama with a covering note bearing No. NFC/PA.V/20/B-81/346 dated March 30, 1976, by registered post acknowledgement due and the same has been returned again from the post office with the remark "refused".

AND WHEREAS an Inquiry Officer was appointed to conduct the inquiry as required under para 41.2 of the NFC Standing Orders (hereinafter called the said orders),

AND WHEREAS the Inquiry Officer could not conduct the inquiry proceedings as the communications sent to the said Shri Badiuzzama to his last known address were returned undelivered from the post office with the remark "no such addressee in the house number--returned to sender",

AND WHEREAS in the circumstances, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold the inquiry in the manner provided in the said orders.

AND WHEREAS the undersigned is satisfied that the said Shri Badiuzzama has committed a grave misconduct by remaining absent for a prolonged period without prior permission or intimation and, therefore, is not a fit person to be retained in service,

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under paragraphs 41.2 and 42 of the said orders read with the DAE Order No. 28(1)/68-Adm dated 3-12-1970, hereby removes the said Shri Mohd. Badiuzzama from service with immediate effect.

H. C. KATIYAR,
Dy. Chief Executive

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 15th December 1976

Ref. No. HWPs/Esit./1/P-19/8409.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, has accepted the resignation tendered by Shri Jyoti Prakash Durlabhbbhai Patel, a temporary Labour-cum-Welfare Officer of Heavy Water Project (Baroda) with effect from the afternoon of October 26, 1976.

T. C. SATHYAKEERTHY,
Senior Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 10th December 1976

No. E(1)04227.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. K. Dutta, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for period of sixty days with effect from the forenoon of 19-11-76 to 17-1-77.

Shri Dutta, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre Calcutta.

No. E(1)04269.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. K. Basu, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of sixty days with effect from the forenoon of 16-11-76 to 14-1-77.

Shri Basu, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. F(1)04255.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. B. Ghosh, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of sixty days with effect from the forenoon of 19-11-76 to 17-1-77.
11—396GI/76

Shri Ghosh, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(1)04193.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. K. Bhowmik, Prof. Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of sixty days with effect from the forenoon of 19-11-76 to 17-1-77.

Shri Bhowmik, Offg. Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

G. R. GUPTA,
Meteorologist
for Director General of Observatories

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Kanpur, the 18th October 1976

No. 107/76.—Sri J. N. Trivedi, officiating Superintendent, Central Excise Group 'B' Kanpur-II divn. relinquished the charge of the office of Supdt. C.Ex. Kanpur-II in the forenoon of 26-6-72 and afternoon of 3-2-75 and proceeded on the following spells of leave—

A. 6 days earned leave from 26-6-72 to 1-7-72 combined with 279 days half pay leave from 2-7-72 to 6-4-73 & leave without pay for 393 days from 7-4-73 to 4-5-74 with permission to suffix 5/6-5-74, being holidays.

B. 25 days earned leave from 4-2-75 to 28-2-75 combined with 60 days half pay leave from 1-3-75 to 29-4-75 and leave without pay for 318 days from 30-4-75 to 12-3-76.

2. After expiry of leave Sri J. N. Trivedi, Superintendent, Central Excise, Group 'B' assumed the charge of the office of Superintendent, Central Excise, Kanpur-II in the forenoon of 7-5-74 for the period mentioned at A above and retired from Government Service w.e.f. 12-3-1976 (afternoon) after expiry of the leave mentioned at B above.

K. S. DILIPSINHJI
Collector

NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior-6, the 13th December 1976

No. 52.—On his transfer from Baran Shri R. C. Srivastava, District Opium Officer took over charge as District Opium Officer, Faizabad in the forenoon of 15-7-76.

No. 53.—On his transfer Shri J. S. Grewal, Supdt. of Central Excise Group 'B' of Central Excise Collectorate, Nagpur took over charge as District Opium Officer, Neemuch, I Division in the forenoon of 21-7-76.

No. 54.—On his transfer, Shri S. Zafer Ali, Supdt. of Central Excise, Group 'B' of Central Excise Collectorate, Allahabad took over charge as District Opium Officer, Shajahanpur in the forenoon of 4-10-76.

A. SHANKER
Narcotics Commissioner of India

New Delhi-110024, the 13th December 1976

No. 1.—Shri M. D. Tiwari, Factory Engineer, Government Opium and Alkaloid Works Undertaking, Ghazipur (U.P.) is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 1000/-

in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1-8-1975.

K. P. ANAND,
Chief Controller of Factories

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 9th December 1976

No. A-12017/4/76-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-12017/4/76-Adm.V dated 29-9-1976, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri T. P. Yegnan, to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Mathematics Group) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—FB—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary and *ad hoc* basis, upto 10-12-1976.

JASWANT SINGH,
Under Secretary
for Chairman, CW Commission

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 24th November 1976

No. 27-E/R(24)/69-ECII.—In pursuance of the order issued by the Ministry of Works & Housing (Works Divn.) vide No. 34/5/75-ECII/EW.2 dated 2-8-76 Shri M. M. Roy Chowdhury, Executive Engineer (Civil) of Central Circle No. III, Central P.W.D., Calcutta has retired from Govt. Service under F.R.56(J) with effect from 8-11-76 (A.N.).

P. S. PARWANI,
Dy. Director of Admn.
for Engineer-in-Chief

CENTRAL RAILWAY GENERAL MANAGER'S OFFICE

Bombay VT, the 10th December 1976

No. HPB/220/G/II/1.—The undermentioned Officiating Assistant Electrical Engineers (Class II) are confirmed in that appointment with effect from the dates shown against each :—

Name & Date of confirmation in Class II Service

1. Shri C. Rajagopal—5-5-1976.
2. Shri S. D. Gupta—18-8-1976.

A. L. GUPTA,
General Manager

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 10th December 1976

No. 18.—Shri Pran Nath W.E.E./ASR has finally retired from Railway Service with effect from 31-8-1976 afternoon.

S. C. MISRA,
General Manager

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

Pandu, the 10th December 1976

No. F '55/III/94 Pt. III(O).—The following Officers of the Civil Engineering Department are confirmed in the Junior Scale with effect from the date noted against each :

Name of Officers & Date from which confirmed

1. Shri M. K. Dev Verma—17-2-74

2. Shri S. C. Bansal—18-11-74
3. Shri N. M. Ahuja—25-11-75
4. Shri S. P. Vatsa—28-11-75.

G. H. KESWANI,
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Cuttack, the 8th December 1976

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. K.I.D. Syndicate Ltd.

No. A.243/76-3760(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s K.I.D. Syndicate Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

C. R. DAS,
Registrar of Companies, Orissa

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Allahabad, the 20th October 1976

INCOMETAX ACT 1961—SECTION 123(1) & (2) Jurisdiction of I.A.Cs of Income-tax in C.I.T. Allahabad, Charge.

F. No. 81(B1)/70/Tech.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and (2) of section 123 of the I.T. Act 1961 and in supersession of all previous orders of the subject, I the Commissioner of Income-tax Allahabad hereby direct that w.e.f. 1st Nov. 1976 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax posted to the ranges specified in column 2 of the schedule annexed hereto, shall perform their functions in respect of all persons and classes of persons and of all incomes and classes of incomes in the area comprised in the Income-tax circles specified in the corresponding entries in columns 3 of the said schedule.

SCHEDULE

Sl. No.	I.A.C. Range	Number of circle or sub-charge included in the range.
1. Allahabad		1. Allahabad. 2. Special circle Allahabad. 3. Survey circle Allahabad. 4. Sultanpur 5. Faizabad.
2. Gorakhpur		1. Gorakhpur. 2. Survey circle Gorakhpur 3. Basti 4. Gonda 5. Bahraich 6. Azamgarh 7. Ballia 8. Deoria.
3. Varanasi.		1. Circle-I Varanasi 2. Circle-II Varanasi 3. Survey circle Varanasi 4. Mirzapur 5. Jaunpur.

SHEIKH ABDULLAH
Commissioner of Income-Tax Allahabad

Cochin-682016, the 16th November 1976

INCOME-TAX

ORDER NO. 1/76-77

C. No. 1(9)/GL/76-77—In exercise of the powers conferred on him under sub-section (1) of section 124, of the Income-tax Act, 1961 (Act 43 of 1961) and in supersession of all the Notification u/s. 124(1) issued in this behalf from time to time I, the Commissioner of Income-tax, Kerala-I, Cochin-682016, hereby directs that with effect from 16th November, 1976 forenoon the Income-tax Officer specified in Column 3 of the schedule appended hereto shall perform the functions of an Income-tax Officer within the area noted in column 4 in respect of the persons or classes of persons noted in column 4 thereof :

SCHEDULE

Sl. No.	Name of Circle	Designation of the Income-tax officer	Area of jurisdiction
1.	Survey Circle, Ernakulam.	Income-tax Officer, Survey Circle, Ernakulam.	(1) All new assesses discovered in the course of survey operations in the territorial jurisdiction of Income-tax circles at (1) Ernakulam (2) Alleppey (2) All persons whose cases may hereafter be transferred to the Income tax Officer u/s. 127(1) of the Income-tax Act, 1961.

ORDER NO. 2/76-77

C. No. 1(209)/GL/76-77.—In exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) I, the Commissioner of Income-tax, Kerala I, Ernakulam, hereby creates one new circle at Ernakulam known as "Income-tax Office, Survey Circle, Ernakulam". The address of the Office will be as under :—

Office of the Income-tax Officer,
Survey Circle, Warriam Road,
Ernakulam, Cochin-682016.

This order shall come into force with effect from the forenoon of 16th November, 1976.

ORDER NO. 3/76-77

(ORDER UNDER SECTION 7 OF THE GIFT-TAX ACT, 1958)

C. No. 1(9)/B/GL/76-77—In supersession of the previous orders issued in this behalf, I, the Commissioner of Gift-tax, Kerala I, Ernakulam hereby directs that with effect from the forenoon of the 16th day of November, 1976, the Gift-tax Officer, specified in column 3 of the schedule appended thereto shall perform, the functions of a Gift-tax Officer within the

area noted in Column 4 in respect of the persons or classes of persons noted in column 4 thereof.

Sl. No.	Name of the Circle	Designation of Gift-tax Officer.	Area of jurisdiction
1.	Survey Circle	Gift-tax Officer, Survey Circle, Ernakulam.	(1) All new assesses who are not assessed to income-tax or wealth-tax so far, in the territorial jurisdiction of the Gift-tax Circles at Ernakulam and Alleppey. (2) All persons whose cases may hereafter be transferred to the Gift-tax Officer under section 7B of the Gift-tax Act, 1958.

P. S. SUBRAMANYAN,
Commissioner of Income-tax, Kerala-I.

Cochin-682016, the 16th November 1976

ORDER. No. 4/76-77

(Order under section 7 of the Gift-tax Act, 1958)

C. No. 1(9)/B/GL/76-77—In supersession of the previous orders issued in this behalf, I, the Commissioner of Gift-tax, Kerala II, Ernakulam hereby directs that with effect from the forenoon of the 16th day of November, 1976, the Gift-tax Officer, specified in column No. 3 of the schedule appended hereto shall perform, the functions of a Gift-tax Officer within the area noted in column 4 in respect of the persons or classes of persons noted in column 4 thereof :—

Sl. No.	Name of the Circle	Designation of Gift-tax Officer	Area of jurisdiction
1.	Survey Circle	Gift-tax Officer, Survey Circle, Ernakulam.	(1) All new assesses who are not assessed to income-tax or wealth-tax, so far, in the territorial jurisdiction of the Gift-tax Circles at Mattancherry, Alwaye and Kottayam. (2) All persons whose cases may hereafter be transferred to the Gift-tax Officer under section 7-B of the Gift-tax Act, 1958.

M. A. SUBRAMANIAM,
Commissioner of Gift-tax, Kerala-II

INCOME-TAX

ORDER NO. 5/76-77

C No. 1(9)/GL/76-77—In exercise of the powers conferred on him under sub. section (1) of section 124, of the Income-tax Act, 1961 (Act 43 of 1961) and in supersession of all the Notification u/s. 124(1) issued in this behalf, from time to time, I, the Commissioner of Income-tax, Kerala-II, Cochin-682016, hereby directs that with effect from the forenoon of 16th November, 1976, the Income-tax Officer specified in column 3 of the schedule appended hereto shall perform the functions of an Income-tax Officer within the area noted in column 4 in respect of the persons of classes of persons noted in column 4 thereof :—

SCHEDULE

Sl. No.	Name of Circle	Designation of the Income-tax Officer	Area of jurisdiction
1	2	3	4
1.	Survey Circle, Ernakulam.	Income-tax Officer, Survey Circle, Ernakulam.	(1) All new assesses discovered in the course of survey

operations in the territorial jurisdiction of Income-tax circles at Mattancherry, Alwaye and Kottayam.

(2) All persons whose cases may hereinafter be transferred to the Income-tax Officer under section 127(1) of the Income-tax Act, 1961.

M. A. SUBRAMANIAM,
Commissioner of Income-tax Kerala II
Ernakulam

FORM ITNS—

(1) Sh. Karnain Singh S/o Sh. Punjab Singh,
of Vill. Mallan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Rameshwar Dass S/o Sir Gur Prashad,
612-R Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 14th December 1976

Ref. No. AP 1637/76-77.—Whereas, I, RAVINDER
KUMAR,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule

situated at Model Town, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jullundur in May 1976for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instruments of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 612-I. Model Town, Jullundur as mentioned in
Registration Deed No. 375 of Registering Authority, Jullun-
dur registered in May, 1976.RAVINDER KUMAR
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 14-12-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gurjit Singh,
s/o Shri Naunihal Singh
of Kotkapura.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hans Raj s/o
Shri Chanan Ram
of Kotkapura.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Amritsar, the 13th December 1976

Ref. No. FDK/89/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Land, situated at Jalalan Road, Kotkapura
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Faridkot in April 1976
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 133 of
April, 1976 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 13-12-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 13th December 1976

Ref. No. FDK/90/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that **the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.**

Land, situated at Jalalon Road, Korkapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Faridkot in April 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Bachittar Singh
s/o Sh. Hazora Singh,
Sh. Surjit Singh and Sh. Bachittar Singh,
Shri Jagir Singh s/o Bagga Singh
of Kotkapura.

(Transferors)

- (2) Kotkapura Cotton Ginning &
Pressing Factory,
Kotkapura.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]

- (4) Any person interested in the property,
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 89 of April, 1976 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-12-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 13th December 1976

Ref. No. FDK/91/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Kotkapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in April 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Jagroop Singh and Darshan Singh,
ss/o Shri Tara Singh,
r/o V. Kothey Warring,
P.O. Kotkapura.

(Transferors)

(2) M/s Asa Singh Cotton Factory,
Kotkapura.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.

[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 18 of April, 1976 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-12-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 13th December 1976

Ref. No. FDK/92/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Kotkapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in April 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
12—396GI/76.

- (1) S/Shri Jagroop Singh and Darshan Singh
ss/o Shri Tara Singh,
V. Kothe Warring,
P.O. Kotkapura.

(Transferors)

- (2) M/s Friends Cotton Press,
Kotkapura.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]

- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 16 of April, 1976 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-12-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 13th December 1976

Ref. No. FDK/93/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Kotkapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in April 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Gurmail Singh, Gurbachan Singh, Major Singh, Harbans Singh, Nazir Singh ss/o Shri Niranjana Singh V. Kothe Warring, P.O. Kotkapura.

(Transferors)

(2) M/s Asa Singh Cotton Factory, Kotkapura.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 17 of April, 1976 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-12-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 13th December 1976

Ref. No. MGA/94/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, situated at Tehsil Road, Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga in April 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurtej Singh
s/o Shri Gajinder Singh
s/o Shri Rajinder Singh
r/o Bhai Toli, Moga.

(Transferors)

- (2) Sh. Kartar Singh Ramgaria s/o
Sh. Sunder Singh s/o
Sh. Jagat Singh
c/o Motor Engineering Works,
Tehsil Road, Moga.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]

- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 197 of April, 1976 of the Registering Authority, Moga.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 13-12-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 13th December 1976

Ref. No. MOGA/95/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Gandhi Road, Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga in April 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Bhisham Dev, Piare Lal, Prem Parkash, Om Parkash s/o Shri Hans Raj s/o Shri Prithi Mal, r/o Moga Mandi.

(Transferors)

- (2) Shri Harbans Lal s/o Shri Dhirat Ram s/o Shri Sita Ram, Malva Hosiery, Gandhi Road, Moga.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any, [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 66 of April, 1976 of the Registering Authority, Moga.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-12-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1976

Ref. No. FZK/96/76-77.—Whereas, I. V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at V. Panchanwali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Fazilka in April 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Wallu Ram
s/o Shri Karam Chand of
V. Panchanwali through Shri Munshi Ram
Ad. son of Shri Nathu Ram of
Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Kharati Lal s/o
Shri Labh Chand of
Abohar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 271 of April, 1976 of the Registering Authority, Fazilka.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 15-12-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1976

Ref. No. FZK/97/76-77.—Whereas, I. V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at V. Panchanwali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka in April 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Wallu Ram
s/o Shri Karam Chand of
V. Panchanwali through Shri Munshi Ram
Ad. son of Shri Nathu Ram of
Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Ravinder Kumar s/o
Shri Kashmiri Lal s/o
Shri Kalu Ram of Abohar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 272 of April, 1976 of the Registering Authority, Fazilka.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 15-12-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 260(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1976

Ref. No. FZK/98/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at V. Panchanwali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka in April 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any ~~money~~ or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Wallu Ram
s/o Shri Karam Chand
s/o Shri Santa Ram of
V. Panchanwali.

(Transferor)

- (2) Shri Raj Paul s/o
Shri Nanak Chand
of Abohar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 275 of April, 1976 of the Registering Authority, Fazilka.

V. R. SAGAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 15-12-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1976

Ref. No. FZK/99/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at V. Panchanwali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka in April 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or revision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Wallu Ram
s/o Shri Karam Chand
s/o Shri Santa Ram of
V. Panchanwali,

(Transferor)

- (2) Sh. Ashok Kumar s/o
Shri Kashmiri Lal s/o
Shri Kalu Ram
of Abohar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]

- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 274 of April, 1976 of the Registering Authority, Fazilka.

V. R. SAGAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 15-12-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 15th December 1976

Ref. No. IAC/ACQ.III/SR.III/April/500(2)/76-77/4478.

—Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
6464, Gali No. 2-3, Block-8,
situated at Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 28-4-19-76,
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-
tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

13—396GI/76

(1) Smt. Basant Kaur Wd/o S. Natha Singh,
F-5/1 Vasant Vihar, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Hari Chand S/o Sh. Durga Parshad,
R/o H. No. 6551 Gali No. 1, Block 9-B,
Dev Nagar, Karol Bagh,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 6464 Ward No. 16, measuring 82 Sq. yds. Block
No. 8-B situated in Bagh Raoji, Dev Nagar, Block No. 8,
Gali No. 2-3, Karol Bagh, New Delhi and bounded as
under :—

North: Gali and passage
South : Gali
East : House
West : House on Plot No. 54.

S. C. PARIJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 15-12-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. CHD/20/76-77.—Whereas I, G. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.C.O. Plot No. 829-830, situated in Sector 22A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Kesho Ram s/o Shri Lorinda Ram R/o H.No. 17, Sec. 19A, Chandigarh.
(ii) Shri Jai Parkash s/o Shri Janki Dass, R/o 7, Timber Market, Chandigarh. (Transferor)

- (2) (i) Smt. Pritam Kaur w/o Shri Daulat Ram,
(ii) Smt. Harbhajan Kaur w/o Shri Roshan Lal,
(iii) Shri Parshotam Lal s/o Shri Daulat Ram, Residents of House No. 2219, Sec. 21-C, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.O. Plot No. 829-830, Section 22A, Chandigarh.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 128 of May, 1976 of the Registering Authority, Chandigarh).

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 18th December 1976
Seal :

FORM ITNS—

- (1) (i) Shri Tara Singh son of Shri Partap Singh
No. 279, Industrial Area, Chandigarh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) (i) Shri Gulzar Singh son of Shri Rullia Singh
No. 4, Transport Area, Chandigarh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH,
156, SECTOR 9-B

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Chandigarh, the 18th December 1976

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which
ever period expires later;

Ref. No. CHD/21/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisi-
tion Range, Chandigarh,
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 1/5th share in Transport Site No. 4 alongwith construc-
tion situated in Transport Area, Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Chandigarh in May, 1976

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer, with the object of—

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

1/5th share in Transport Site No. 4, alongwith Construc-
tion, Transport Area, Chandigarh.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 134 of
May, 1976 of the Registering Authority, Chandigarh).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 18th December 1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Singh s/o Sh. Harnam Singh, No. 279,
Industrial Area, Chandigarh.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sh. Shiv Kumar s/o Sh. Balak Ram, No. 4, Trans-
port Area, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B**

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. CHD/22/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/5th share in Transport Site No. 4, alongwith construction, situated in Transport Area, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share in Transport Site No. 4, alongwith construction in Transport Area, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 135 of May, 1976 of the Registering Authority, Chandigarh).

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 18th December 1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ajit Singh s/o Shri Phumman Singh, No. 279, Industrial Area, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri

(i) Shiv Kumar Sharma s/o Shri Balak Ram,

(ii) Gulzar Singh s/o Sh. Rullia Singh,

(iii) Bachan Singh s/o Sh. Chandan Singh,

(iv) Jai Narain s/o Shri Lakhi Ram, Residents of No. 4, Transport Area, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH,
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. CHD/23/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/5th share of Plot No. 4, alongwith construction, situated at in Transport Area, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of Plot No. 4, alongwith construction in Transport Area, Chandigarh.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 136 of May, 1976 of the Registering Authority, Chandigarh).

G. P. SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh,

Date : 18th December 1976

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. CHD/34/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share in Plot No. 4, alongwith construction, situated in Transport Area, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shiv Kumar s/o Shri Balak Ram Sharma, No. 4, Transport Area, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) S/Shri
 - (i) Chaman Lal s/o Sh. Amar Dass R/o HNo. 3381, Sec. 27-D, Chandigarh.
 - (ii) Gurdev Singh s/o Sh. Bachan Singh R/o No. 279, Industrial Area, Chandigarh.
 - (iii) Smt. Jaswant Kaur W/o Sh. Gulzar Singh R/o No. 691, Industrial Area, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in Plot No. 4 alongwith construction in Transport Area, Chandigarh.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 288 of July, 1976 of the Registering Authority, Chandigarh).

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 18th December 1976

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Sant Nahar Singh Chela Sant Attar Singh R/o Mastuana, Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh s/o Shri Bakhshish Singh, Jat, Village Tunga, Teh. & Distt. Sangrur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. SNG/1/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 6 Bighas 104 Biswa situated at Village Tunga, Teh. & Distt. Sangrur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sangrur in May, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Bighas $\frac{1}{2}$ Biswa out of Khata No. 13

43, 44, 46

Khasra No.	$\frac{76}{2-0}$ min,	$\frac{77}{2-0}$ min,	$\frac{339}{1-11}$,	$\frac{1001}{413}$,	$\frac{340}{3-18}$,	$\frac{341}{1}$
				$\frac{2-17}{1}$		$\frac{0-10}{1}$

$\frac{356}{3-16}$,	$\frac{357}{4-0}$,	$\frac{78}{1}$ min,
		$\frac{0-16}{1}$

Khata No.	$\frac{59}{123, 127}$	Khasra No.	$\frac{80}{1-3}$ min,
	$\frac{78}{2}$ & $\frac{79}{0-14}$ min		
	$\frac{0-16}{1}$		

situated at Village Tunga, Tehsil and Distt. Sangrur

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 133 of May, 1976 of the Registering Authority, Sangrur).

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 18th December 1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. SNG/2/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 6 Bighas 1/4 Biswa situated at Village Tunga, Teh. & Distt. Sangrur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in May, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sant Nahar Singh Chela Sant Attar Singh, Resident of Mastuana, Distt. Sangrur.
(Transferor)

(2) Shri Mukhtiar Singh s/o Shri Bakhshish Singh, R/o Tunga, Teh. & Distt. Sangrur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1				13
6 Bighas 1/4 Biswa land out of Khata No.				43, 44, 46
Khasra No's	76 2-0	77 2-0	339 1-11	1001, 413, 217
	340 3-18	341 1	356 3-16	357 4-0
		0-10 59		78 1
Khata No.	123, 127	80 min, 1-3		0-16 78 79 2 0-14
				0-16

situated at village Tunga Tehsil & Distt. Sangrur.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 134 of May, 1976 of the Registering Authority, Sangrur).

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 18th December 1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Sant Nahar Singh Chela Sant Attar Singh, R/o Mastuana, Distt. Sangrur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sansar Singh s/o Shri Bakhshish Singh Jat, Village Tunga, Teh. & Distt. Sangrur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH,
156, SECTOR 9-B,

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. SNG/3/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 12 Bighas $\frac{1}{2}$ Biswa situated at Village Tunga, Teh. & Distt. Sangrur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sangrur in May, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14—396GI/76

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 Bighas $\frac{1}{2}$ Biswa out of Khata No. <u>13</u>									
								43, 44, 46	
76	77	339	1001	340	341	356			
—min,	—min,	—	—	—	—	—			
2-0	2-0	1-11	413,	3-18	1	3-16			
			2-17	0-10					
357	78		59			80			
—min,	—min,		—min,			—min,			
4-0,	1,		123, 127			1-3			
	0-16								
78	79								
—min,	—min,								
2	0-14								
	0-16								

situated at Village Tunga, Teh. & Distt. Sangrur

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 136 of May, 1976 of the Registering Authority, Sangrur).

G. P. SINGH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Chandigarh

Date : 18th December 1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. BNL/1/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land measuring 40 Kanals situated at Village Dhanaula Kalan, Teh. Barnala, Distt. Sangrur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barnala in April, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Jit Kaur D/o Shri Rullia Singh through Shri Rajinder Singh, s/o Shri Narain Singh, R/o Village Dhanaula Kalan, Teh. Barnala, Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) S/Shri Jit Singh & Hakam Singh ss/o Shri Ganda Singh, Village Dhanaula Kalan, Teh. Barnala, Distt. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 kanals comprised in Khata

1145					
No. 2053. Musttil No. 259, Killa Nos.					
7	8	9	11	12	13
2	2	2	2	8-0	8-0
5-16	5-16	5-16	6-12		

as per jamabandi 1973-74 situated at Village Dhanaula Kalan, Teh. Barnala, Distt. Sangrur.

(Property as mentioned in Registered Deed No. 104 of April, 1976 of the Registering Authority, Barnala).

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 18-12-76.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. BNL/2/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 38 Kanals 7 Marlas situated at Village Dhanaula Kalan, Teh. Barnala (Sangrur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Barnala in April, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jit Kaur D/o Shri Rullia Singh through Shri Rajinder Singh s/o Shri Narain Singh, R/o VPO Dhanaula Kalan, Teh. Barnala, Distt. Sangrur.

(Transferor)

- (2) Sh. Ganda Singh s/o Sh. Narain Singh, VPO Dhanaula Kalan, Teh. Barnala, Distt. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 38 Kanals 7 Marlas comprised
1145
in Mustitil No. 259, Khata No. 2053

Killa No.	14	17	18	19	20
	8-0	1	1	8-0	6-12
		1-7	1-7		

$\frac{22}{2}$ & $\frac{22}{6-11}$ as per jamabandi 1973-74
6-10

situated at V. Dhanaula Kalan, Teh. Barnala, Distt. Sangrur

(Property as mentioned in Registered Deed No. 105 of April 1976 of the Registering Authority, Barnala).

G P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 18-12-76.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B,
CHANDIGARH

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. BGR/3/76-77—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 84, D.L.F. Industrial Estate No. 1, situated at Mewla Maharajpur, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in April, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Principal Officer,
M/s. Steel Fabrication & Construction Co.,
Faridabad.
(Transferor)
- (2) Principal Officer,
M/s. Peoples' Publishing House (P) Ltd.,
5E, Rani Jhansi Road, New Delhi-13.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 84, measuring 2488.75 sq. metres, D.L.F. Industrial Estate No. 1, Mewla Maharajpur, Faridabad bounded as under :—

North : Nalah and service lane.
East : Plot No. 85
West : Plot No. 83
South : Road

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 401 of April, 1976 of the Registering Officer, Ballabgarh.)

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 18-12-76.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR
9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. HSR/3/76-77.—Whereas, I, G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land measuring 5 Kanals 11 Marlas situated near 6th K. M. Stone, Delhi Road, Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hissar in May 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) S/Shri
1. Onkar Mal s/o Shri Tansukh Rai,
2. Satish Kumar s/o Shri Ram Richhpal,
3. Devinder Kumar s/o Shri Onkar Mal &
4. Smt. Sandhya W/o Shri Rajender Prasad,
R/o Delhi Road, Hissar.
(Transferor)

(2) Shri Balbir Singh Goyal s/o
Shri Rameshwar Dass,
R/o 24-Badrikeshwar,
88-Marine Drive, Bombay-2.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Kanals 11 Marlas comprising in Khasra			
Nos.	5489	5490	5491 & 5492
2	2	2	2
	0-10	2-14	0-18 1-9

situated
near 6th

K.M. Stone, Delhi Road, Hissar,

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 255 of May, 1976 of the Registering Authority, Hissar.

G. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 18-12-76
Seal :

FORM ITNS

S/Shri

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 18th December 1976

Ref. No. HSR/4/76 77.—Whereas, I. G. P. SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ali construction in property known as Mittal (Rubber) India, situated near 6th K.M. Stone, Delhi Road, Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in May 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Onkar Mal s/o Shri Tansukh Rai,
2. Satish Kumar s/o Shri Ram Richhpal,
3. Smt. Sandhya W/o Shri Rajender Prasad,
4. Mahadev Prasad s/o Shri Rameshwar Dass,
5. Satish Kumar s/o Shri Purnan Mal,
6. Vijay Kumar s/o Shri Purnan Mal,
7. Smt. Gomti Devi W/o Shri Mahadev Parshud
8. Smt. Vidya Devi W/o Shri Raj Kumar &
9. Sh. Devinder Kumar s/o Sh. Onkar Mall.

R/o Delhi Road, Hissar,

(Transferor)

- (2) Shri Balbir Singh Goyal, s/o Shri Rameshwar Dass,
R/o 24-Eadrikeswar,
88-Marine Drive, Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All construction in property known as Mittal (Rubber) India consisting of office alongwith verandah, 24 labour quarters, two factory sheds, partly constructed wall enclosures for shed, compound wall and entrance gate, situated near 6th Kilometre Stone on Delhi Road, Hissar,

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 256 of May, 76 of the Registering Authority, Hissar).

G. P. SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 18-12-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Western Rolling Mills Pvt. Ltd.,
K. Parikh House, 47 P. D'Mello Road,
Bombay-400 009.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-V

SMT. KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BLDG.
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th December 1976

Ref No. Acqn.Range-IV/AP.239/76-77.—Whereas, I,
G. A. JAMES,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Survey No. 82, Old Plot No. 17, New Plot No. 31
situated at Versova Village
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
Bombay on 8-4-1976,
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(2) M/s. Bombay Warehousing Co. Pvt. Ltd.,
K. Parikh House, 47 P. D'Mello Road,
Bombay-400 009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share in all that piece of land bearing Old
Plot No. 17 and New Plot No. 31 bearing Survey No. 82
at Village Versova, Taluka Andheri, Greater Bombay, ad-
measuring 4334 sq. yards (3623 sq. mts.) and in the Books
of the Collector of Land Revenue under Survey No. 82 and
in the Books of the Collector of Municipal Rates and Taxes
under 'B' Ward No. 7130 and street No. 31 and bounded as
follows : that is to say on or towards the East by the Road
known as Versova Road, on or towards the West by the
Sea Coast, on or towards the North by the Plot No. 62
and on or towards the South by the Plot No. 80.

G. A. JAMES,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 15-12-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,SMT. KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BLDG.
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th December 1976

Ref. No. AR-I/1597.2/APR.76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.N. 187, S.N. 22, S.N. 226 H. No. 3 situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Provident Investment Co. P. Ltd. (Transferor)
- (2) Zephyr Co-op. Housing Society Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Firstly : All that piece or parcel of Government leasehold land together with the mesuage tenement of dwelling house standing thereon known as Balmoral Hall situate at Bandra in the Bombay suburban District and in the Registration Sub-District of Bandra containing by admeasurement three thousand five hundred and seventy eight (3578) square yards equivalent to 2991.63 mtrs the same title more or less and described and particularly denoted as non-agricultural Survey No. 187 in a certain Register deposited with the Collector of Thana and bounded as follows that is to say on or towards the South by the property of Dinshaw Dallas, on or towards the South by the property of Pestonjee Godiwalla, on or towards the East partly by the property of Dinshaw Dallas and partly by the property of Deg Manvel Jacin, on or towards the West by the Hill Road.

Secondly : All that piece or parcel of land situate at Hill Road, Bandra, in the Registration Sub-District of Bandra District Bombay Suburban and containing by admeasurement One thousand one hundred and ninety seven (1197) square yards or thereabouts be the same title more or less equivalent to 1000.83 sq. mtrs. and bearing part of Revision Survey No. 22 and Old Survey No. 280 and bounded on or towards the North partly by the property of Deg Manvel Jacin and partly by Pavlu Ghosel, on or towards the South partly by the property of Dinshaw Dallas Vakil and partly by Pestonjee Asavadi, on or towards the East by the property of Dr. Souza Mahimwalla and on or towards the West by the property first described herein.

Thirdly : ALL THAT piece or parcel of land or ground together with the trees standing thereon lying and being and situated at Bandra in the Registration Sub-District Bandra and District of Bombay Suburban admeasuring according to the Revenue corrected records 17 gunthas (2057 square yards equivalent to 1720 sq. mtrs.) Survey No. 226 Hissa No. 3,

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 15-12-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) The Great Eastern Shipping Co. Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Great Eastern Co. HSL.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
SMT. KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BLDG.
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay.400 002, the 15th December 1976

Ref. No. ARI/1605.10/AR.76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/358 CS No. 362 of Mulabar & Chumballa Hill Division situated at Napeansea Road (and more fully described in the Schedule) annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-4-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—396GI/76

- (3) 1. Shri Anand Zaveri & Miss Shyama Sarabhai.
 2. Shri Moorad Y. Fazalbhoy.
 3. Miss Nasreen Y. Fazalbhoy.
 4. Shri Mulchand Manilal Shah & Mrs. Sushila Mulchand Shah.
 5. Shri Pravinchandra P. Thakker.
 6. Shri Sumant V. Chandavarkar & Smt. Sumana S. Chahdavarkar.
 7. Lady Vatsalabai Chandavarkar.
 8. Shri Prem Kumar Kapur & Mrs. Kiran P. Kapur
 9. Shri Puranchand C. Mehra.
 10. Shri Rasiklal Jayantilal Madia.
 11. Shri Sukhlal S. Parekh.
 12. Shri Sanjeev Mukherjee.
 13. Shri Sam D. Motashaw.
 14. Smt. Uma Dhawan.
 15. Shri Pranav N. Parikh.
 16. Shri Shital Prasad Jain, Mrs. Promod Jain & Mr. Mukul Jain
 17. Dr. K. Raghuram Shetty & Mrs. Shalini R. Shetter
 18. Shri Ashok B. Garware & Smt. Sushma A. Garware.
 19. Shri Mangaldas R. Kapadia & Mr. Rajesh M. Kapadia.
 20. Dr. Ranjit Nanubhai Majumdar.
 21. Shri Anil Chihubhai Kilachand.
 22. Smt. Lajja Malhotra & Mr. V. P. Malhotra.
 23. Dr. Chandrakanth G. Saraiya & Smt. Annie Saraiya.
 24. Shri Bipin M. Patel & Smt. Sudha B. Patel
 25. Smt. Soni Malhotra & Mr. Surinder Nath Malhotra.
 26. Shri Brij Mohan Khanna.
 27. Shri Shiv Kumar Khanna.
 28. Shri Harshad Fulchand Sheth.
 29. Smt. Veena Malhotra & Mr. R. K. Malhotra.
 30. Shri Ved Prakash Agarwal.
- (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Firstly all that piece or parcel of land together with the buildings and structures standing thereon situate at Nepean Road, Malabar Hill in the City and Registration Sub-District of Bombay and containing an area of 5149 square mts. or thereabouts and bearing New Survey No. 4/7166 and Cadastral Survey No. 362 of Malabar and Cumballa Hill Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under D Ward Nos. 3277(1) and 3277(2) and Street No. 13-15 and 11 and 10 Nepean Road and bounded as follows that is to say on or towards the North by a passage on or towards the East by the property of H.E.H. The Nizam of Hyderabad and on or towards the South and West by Nepean Road aforesaid.

Secondly : All that piece or parcel of land together with the buildings and structures thereon situate at Nepean Road Malabar Hill in the City and Registration Sub-District of Bombay and containing an area of 256 square mts. or thereabout and bearing New Survey No. 1/7168 and Cadastral Survey No. 1/358 of Malabar and Cumballa Hill Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal rates and taxes under D Ward No. 3271 formerly Street No. 19 but now St. No. 14 Nepean Road and bounded as follows, that is to say, on or towards the North by Nepean Road beyond that by the property first hereinabove described on or towards the East by the property of Sir Cowasji Jhangir part on or towards the south by a water course of Nala and on or towards the west by the property of the Trustees of Bai Dhunbai's Will.

V. R. AMIN.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 15-12-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,

SMT. KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BLDG
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th December 1976

Ref No. ARI/1607-12/An.76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CS No. 1/724 & 1/738 of Malabar & Cumballa Hill Division situated at Carmichael Road.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 14-4-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Baichandabai B. Daga & Shankarlal Ramnath Daga.

(Transferor)

(2) R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground of Pension and Tax Tenure (since redeemed) together with the bungalow, messuages, tenements or dwelling houses standing thereon situate lying and being at Carmichael Road without the Fort of Bombay in the Registration Sub-District of Bombay containing by admeasurement 2943 sq. yds. equivalent to 2460.70 sq. mtrs. or thereabouts be the same little more or less and registered in the Books of Collector of Land Revenue under New No. 2941, Old Survey No. 81A piece of 405 sq. yds. being part of the said total area New Survey No. 7086 (part) and Cadastral Survey No. 1/724 of Malabar and Cumballa Hill Division and the remaining area of 2532 sq. yds. bears New Survey No. 7087 (part) and Cadastral Survey No. 1/738 of Malabar and Cumballa Hill Division and bounded as follows : that is to say on or towards the East by the property formerly of Maneckji Petit Mills bearing CS No. 1/725 of Malabar and Cumballa Hills Division. On or towards the West by Carmichael Road, or towards the South by the property previously belonging to Khandelwal being Plot No. 7 and bearing C.S. No. 763 (part) of Malabar and Cumballa Hill Division and on or towards the north by the property of Sunderlal Sanjiram being plot No. 5 bearing CS No. 2/736 of Malabar and Cumballa Hill Division and which said premises are assessed by the Collector of Municipal Rates and Taxes under No. 10 (D), Ward No. 3451 (1) and Street No. 13.

V. R. AMIN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 15-12-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF
INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,

SMT. KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BLDG.
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th December 1976

Ref. No. AR-I/1638-2/Apr.76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter

referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CS No. 1/836 of Mahim Division situated at Lady Jamshedji Rd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-4-76,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfers with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. National Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Owners Ind. Prem. Co-op. Society Ltd.

(Transferee)

(3)

Area	Sr. No.	Unit No.	Name of the Unit holders	Amount Received
540	1	1	M/s. Mojilal & Co.	27,000
494	1A	2	M/s. Mojilal & Co.	26,000
590	2	3	Shri Felix Weisinger, Shri Francis Lawrence Mascarenhas & Shri Gratian J. Mascarenhas.	
590	3	4	Smt. Ronuka L. Duragani	18,400
495	4	5	Shri Lachman Gulabrai Durgani	16,382
180	4A	Garage	Shri Lachman G. Durgani	4,000
654	5	6	Smt. Amina Begum Moulvi Shamsuddin and Smt. Sughra Begum	26,000

Arca	Sr. No.	Unit No.	Name of the Unit holder	Amount Received
593	6	7	M/s. A.C.E. Electronics	28,500
593	7	8	M/s. Mutual Printing Works	25,000
593	8	9	Shri Shankar Anand Chandavarkar	28,600
528	9	10	Shri Rasiklal Maneklal Desai	18,500
576	10	101	Shri Manghram Lilaram Lakhiani	34,771
530	10A	102	Shri Manghram Lilaram Lakhiani	
626	11	103	Shri Anant Kashinath Sahamate	23,000
626	12	104	Shri Uttamchand Kanyasing Kukreja	20,000
553	13	105	M/s. Amar Stores	20,000
690	14	106	Shri Manghram Lilaram Lakhiani	21,000
629	15	107	Shri Manghram Lilaram Lakhiani	21,000
629	16	108	M/s. Industrial Plastics	23,000
629	17	109	Shri Mohan Issardas Gehani	22,000
586	18	110	Smt. Parpati Udharan	21,750
576	19	201	Shri Anil Anant Sahamate & Mrs. Indumati Anant Sahamate	20,000
530	20	202	Smt. Jasoti Purshottamdas Narvani	18,000
626	21	203	Smt. Amina Begum Moulvi Shamsuddin	23,000
626	22	204	M/s. Orr Kay Bee & Co.	20,000
553	23	205	Shri Devidas Dewandas	19,750
690	24	206	M/s. G. A. Electrical Industries	25,550
629	25	207	Smt. Ranjana Kishinchand Melwani	20,000
629	26	208	Smt. Vasibai Motiram & Others	22,000
629	27	209	Smt. Sheeladevi Gordhandas	22,000
586	28	210	M/s. R. Suresh	20,400
576	29	301	Smt. Ranjana Kishinchand Melwani	18,100
530	30	302	Smt. Chandra Jethanand Sawlani	18,000
626	31	303	Shri Laxman Sadashiv Agaskar & Shri Harish Ravji Malgaokar	23,000
626	32	304	Smt. Gopi T. Malkani	18,000
553	33	305	Shri Lachmandas Tekchand Bathija	20,000
690	34	306	Shri Shewak Hakumatrai Mirchandani	25,750
629	35	307	Shri Ramesh D. Nasta	23,000
629	36	308	Shri Rustom Dinshaw Irani	23,000
629	37	309	Smt. Chandravati Ramchand	20,500
586	38	310	Smt. Rajkumari Ghan-shamdas	21,500

(Persons in occupation of the property)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground of Pension land Tax tenure with structure or structures standing thereon situate lying and being at 40 feet wide road off Lady Jamshedji Road, leading to Pitamber Lane, Mahim, Bombay, in the Registration Sub-District of Bombay in the Island of Bombay containing by admeasurement 1591 sq. yds. or 1,330.24 sq. metres or thereabouts and registered in the books of the Collector of Land Revenue under Old No. 21 New No. 3514 Old Survey No. 89 New Survey No. 97 Cadestral Survey No. 1/836 of Mahim Division (being final Plot No. 505 assigned for service Industries in the Town Planning Scheme Bombay City No. III (Mahim Area) and bounded as follows :—that is to say on or towards the North by 40 ft. wide Road off Jamshedji Road, leading to Pitamber Lane, on or towards the South and East by the property belonging to estate of Gabriel John Pereira being final Plot No. 491 of the T. P. Scheme Bombay City No. III (Mahim Area) and bearing C.S. No. 836 of Mahim Division, on or towards the west by the property of Shri Nathji Trust bearing No. 838 of Mahim Division and final plot Nos. 504 and 504D of T.P. Scheme Bombay City No. III (Mahim Area).

V. R. AMIN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Date : 15-12-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
SMT. KGMP, AYURVED HOSPITAL, BLDG.
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th December 1976

Ref. No. A.R.II/2307-1/April 76.—Whereas, I, M. J. MATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sub-Plot No. 61 of Main Plot No. 9/2 S. No. 70 (pt) situated at Juhu Vile Parle Dev : Scheme (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8-4-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Narendrakumar Ratansingh Kanabar,
(Transferor)
- (2) Shri Sunil Rasiklal Shah.
(Transferee)
- (4) Nutan Laxmi Cooperative Housing Society Ltd.
[Persons whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of lease-hold land or ground situate lying and being at Juhu Vile Parle Development Scheme (South of Irla Nala) in the Bombay Suburban District in Greater Bombay and in the Registration Sub-District of Bandra being part of Survey No. 70 of Juhu Village admeasuring 518.33 square yards equivalent to 433.39 square metres or thereabout and bearing sub-plot No. 61 of Main Plot No. 9/2 in the Estate of the Nutan Laxmi Co-operative Housing Society Limited and bounded as follows :—that is to say on or towards the East by 40 feet wide road, on or towards the West by Sub-Plot No. 60, on or towards the North by Sub-Plot No. 62 and on or towards the South by Sixty Feet Wide Road.

M. J. MATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna.

Date : 16-12-1976.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, SMT. KGMP, AYURVED
HOSPITAL BLDG. 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH
ROAD, BOMBAY-400 002.

Bombay-400 002, the 16th December 1976

Ref. No. A.R.II/2316-1/April/76.—Whereas, I,
M. J. Mathan,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 70 (pt) Sub Plot No. 31 situated at Juhu Vile Parle Dev Scheme, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 19-4-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Laxmiben Somabhai Patel.
(Transferor)
- (2) Shri Pranjivandas Chaturbhuj Valia and Smt. Hiraben Pranjivandas Valia.
(Transferee)
- (4) Smt. Nutan Laxmi Cooperative Housing Society Ltd.
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of lease-hold land or ground situate lying and being at Juhu Vile Parle Development Scheme (South of Irla Nala) in the Bombay Suburban District in Greater Bombay and in the Registration Sub-District of Bandra being part of Survey No. 70 of Juhu Village admeasuring 800.00 square yards equivalent to 668.88 square metres or thereabouts and bearing Sub-Plot No. 31 in the Estate of Nutan Laxmi Cooperative Housing Society Limited and bounded as follows: that is to say on or towards the East by Plot No. 45 on or towards the West by one hundred feet round on or towards the North by Plot No. 30 and on or towards the South by Plot No. 32. The property bears C.T.S. No. 638 in Juhu Village in the Sub-District Bombay City and Bombay Suburban.

M. J. MATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 16-12-1976

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDBAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1976

Ref. No. P.R. No. 499 Acq. 23-888/4-1/76-77.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 137 & 138 situated at Bhadkodra, Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ankleshwar in May, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Navnitlal Dahyabhai; self and Karta of Hindu Undivided Family, Goya Bazar, Ankleswer Dist. Broach.

(Transferor)

(2) The Principal Officer, M/s. Shramjivi Paper Mills (P) Ltd. Bhadkodra; Director : Shri Gopalbhai Zaverbhai Patel, Near Sardar Bag, Bardoli, Dist. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 137 & 138 of village Bhadkodra, Tal. Ankleswer, Dist. Broach, situated on highway No. 8 admeasuring 7 acre 2 gunthas as described in the sale deed registered under registration No. 247/76 registered in the month of May, 1976 by the registering Officer, Ankleswer.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 14-12-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDBAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 18th December 1976

Ref. No. P.R. No. 500 Acq. 23-814/13-1/76-77.—Whereas,
I, P. N. MITTAL,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Mun. No. 3/6/37 and 3/6/38 situated at Opp. Pioneer High
School, Anand
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Sub-Registrar, Anand in April, 1976
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

(1) Shri Rambhai Waghjibhai Patel; and Chanchalben
W/o Rambhai Waghjibhai Patel, Bedva, Tal. Anand,
(Transferor)

(2) Shri Rameshchandra Jivanlal Bhalja; "Paritosh" Opp.
Pioneer High School, Anand.
(Transferee)

(3) Ground Floor : Supdt. of Post Offices,
Anand Division, Anand.
First Floor : Transferee.
(Person in occupation of
the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building known as "Paritosh" bearing No. Mun.
No. 3/6/37 and 3/6/38 situated Opp. Pioneer High School,
Anand, Land admeasuring about 350 sq. mts. and building
comprising of a two storeyed structure—area of each floor
being about 150 sq. mts. as described in the Sale-deed regis-
tered under registration No. 647 in the month of April, 1976
by the Registering Officer, Anand.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 18-12-1976.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th December 1976

Ref. No. IZC/ACQ/BPL/76-77/766.—Whereas, I, V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land Kh. No. 19/1, 20 and 27, Land 12.90 acres situated at Koh-I-Fiza, Tah-Huzur, Distt-Bhopal situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 27-4-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
16—396GI/76

- (1) Smt. Begum Ayasha Sultan W/o Nawab Mohd. Mansur Ali Khan Through her constituted attorney Shri Asadull Khan S/o Shri Suleman R/o Ahmedabad, Bhopal.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Manorama Khattar W/o Shri Dindayal Khattar
2. Smt. Neelam Khattar W/o Shri Jugesh Khattar.
3. Smt. Adarsh Khattar W/o Shri Madan Mohan Khattar All R/o Shamla Road, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Kh. No. 19/1, 20 and 27, Land 12.90 acres situated at Koh-I-Fiza, Tah-Huzur, Distt-Bhopal.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-12-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 14th December 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/778.—Whereas, I. V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nazul Plot No. 8/3, with the building standing thereon Block No. 6, Civil Station, Municipal Committee No. 157, Keoti Ward, Seoni situated at Seoni, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Seoni on 1-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dewendra Kumar, Shri Rajendrakumar Gupta and Smt. Radha Devi, All R/o Girjakund Ward, Seoni.

(Transferor)

(2) The Nagpur Roman Catholic Diocesan Corporation (Pvt) Ltd., P.T.R. No. D-2, Nagpur.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 8/3, with the building standing thereon Block No. 6, Civil Station, Municipal Committee No. 157, Keoti Ward, Seoni.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-12-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Janki Devi, Hira Lal, Subhash Lal, Vinod & Km. Kamla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vijay Kumar Kapoor, Nand Kishor Kapoor.
(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW(3) Self.
(Person in occupation of the propetry)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 30th November 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 30-V/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. House property situated at Mauja Municipal Bhitari Patti Khasparja Parg Varamandal, Distt. Almora, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Almora on 7-4-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House & Agricultural land situated at Mauja Municipal Bhitari Patti Khas Parja Teh & Distt. Almora.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-11-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gora Chand Rath.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Bijan Kumar Samal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK, BHUBANES-
WAR-9.

Bhubaneswar-9, the 10th December 1976

Ref. No. 32/76-77/IAC(A/R)|BBSR|.—Whereas, I, A. N. MISRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 18 situated at Satyangar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhubaneswar on 5-5-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with building located at Plot No. 18, Satyanagar, Bhubaneswar under the jurisdiction of Sub-Registrar, Bhubaneswar and registered by Sale document No. 3694 dated 5-5-76.

A. N. MISRA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date : 10-12-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Purna Ch. Mohapatra.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Basanta Kumari Das, W/o Bira Kishore Das.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK, BHUBANESWAR-9.

Bhubaneswar-9, the 18th December 1976

Ref. No. 34/76-77|LAC(A/R)|BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 213/4111, situated at Unit-I (Bhubaneswar)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhubaneswar on 21-4-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with building located at Unit-I, Bhubaneswar under the jurisdiction of Sub-Registrar, Bhubaneswar and registered by sale document No. 3137 dated 21-4-76.

A. N. MISRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date : 18-12-76.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 13th December 1976

Ref. No. 58/APR/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. —, situated at Muniappampalayam village Salem Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rasipuram (Doc. No. 465/76), on 26-4-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Vembayee Padayachi, Muniappampalayam 2. Shri Ganesan (minor) by father & guardian Shri Vembayee Padayachi 3. Shri Sundaram, 4. Shri Ulaganathan, (minor) by father & guardian Shri Sundaram, 5. Smt. Pappu, wife of Shri Kandasamy, 6. Smt. Ayee Muthal, W/o Shri Allimuthu Padayachi Seerapalli village, Rasipuram Tq.,

(Transferor)

- (2) Shri R. Athiyappan, S/o Ramasamy Gounder, Veerangadu, Pattanam Muniappanpalayam village & Post, Rasipuram taluk.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4.37 acres in survey No. 15/6 (with one well) in Muniappampalayam village, Rasipuram taluk, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 13-12-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri M. S. P. Senthilkumar, Shri Mahesh S. Kumar (minor) by father and guardian Shri M. S. P. Senthilkumar, Virudunagar.

(Transferor)

(2) Shri M. S. P. Rajes, S/o late Shri M. S. P. Nadar, Cauvery Peak Post, Yercaud, Salem District.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 14th December 1976

Ref. No. 40/APR/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. 60/2 & 56/2, situated at Nagalur village, Yercaud (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yercaud (Doc. No. 73/1976), on April 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 4/10th share in land measuring 349.67 acres known as The Stanmore Estate with all buildings in R. S. No. 60/2 and 56/2, Nagalur village, Yercaud, Salem district (with 4/10 share in standing crops for the 1975-76 season) and amounts due from Coffee Board Bangalore in respect thereof.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 14-12-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madrass-6, the 14th December 1976

Ref. No. 41/APR/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 60/2 & 56/2, situated at Nagalur village, Yercaud (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yercaud (Doc. No. 85/76), on April, 1976

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. R. Jagathambal, W/o Shri A. S. P. C. Ramasamy Nadar, Virudhunagar.

(Transferor)

(2) Shri M. S. P. Rajes, Cauvery Peak U.O. Yercaud, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/10th share in land measuring 349.67 acres known as The Stanmore Estate with all buildings in R.S. No. 60/2 & 56/2, Nagalur village, Yercaud, Salem district (with 1/10th undivided share in standing crops for the 1975-76 season), and amounts due from Coffee Board Bangalore in respect thereof.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 14-12-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. B. Susila, W/o Shri P. N. V. K. Bhagavath Singh, Yercaud, Salem district.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. S. P. Rajes, Cauvery Peak P.O. Yercaud, Salem district.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 14th December 1976

Ref. No. 42/APR/76-77.—Whereas, I. G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 60/2 & 56/2, situated at Nagalur village, Yercaud,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yercaud (Doc. No. 75/1976) on April, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—396GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/10th share in land measuring 349.67 acres known as The Stanmore Estate with all buildings in R.S. No. 60/2 & 56/2, Nagalur village, Yercaud, Salem district (with 1/10th undivided share in standing crops for the 1975-76 season), and amounts due from Coffee Board Bangalore in respect thereof.

G. RAMANATHAN,
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 14-12-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. V. Jayanathi W/o Shri Vivekanandan, Teni,
Madurai district.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri M. S. P. Rajes, Cauvery Peak P.O. Yercaud,
Salem district.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 14th December 1976

Ref. No. 43/APR/76-77.—Whereas, I, G. RAMANA-
THAN,being the Competent Authority under Section 269B of the
'Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.R.S. 60/2 & 56/2, situated at Nagalur village, Yercaud
(and more fully described in theSchedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Re-
gistering Officer at

Yercaud (Doc. No. 83/1976) on April, 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/10th share in land measuring 349.67 acres
known as The Stanmore Estate with all buildings in R.S. No.
60/2 & 56/2, Nagalur village, Yercaud, Salem district (with
1/10th undivided share in standing crops for the 1975-76 sea-
son), and amounts due from Coffee Board, Bangalore in re-
spect thereof.(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from
the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-
tax Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—G. RAMANATHAN,
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 14-12-1976.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. U. Victory, W/o Shri V. Uthayan, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. S. P. Rajes, Cauvery Peak P.O. Yercaud, Salem district.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Madras-6, the 14th December 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 47/MAY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. 60/2 & 56/2, situated at Nagalur village, Yercaud (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yercaud (Doc. No. 99/1976), on May, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided 1/10th share in land measuring 349.67 acres known as The Stanmore Estates with all buildings in R.S. No. 60/2 & 56/2, Nagalur village, Yercaud, Salem district (with 1/10th undivided share in standing crops for the 1975-76 season), and amounts due from Coffee Board, Bangalore in respect thereof.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-12-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th December 1976

F. No. 44/APR/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3/2 & 3/8, situated at Pattipadi village, Yercaud (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yercaud (Doc. No. 59/76) on April, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Saraswathi Ammal, W/o
Shri P. Radhakrishna Chettiar,
2. Shri R. Chandrasekaran, S/o
Shri P. Radhakrishna Chettiar,
3. Shri B. Natarajan, S/o
Shri K. Balakrishna Chettiar,
4. Shri N. Shanmugasundaram, S/o
Shri Nataraja Chettiar,
5. Shri K. B. Ranganathan, S/o
Shri K. Balakrishna Chettiar,
6. Shri Balakrishna S/o
Shri Ranganathan,
7. Shri R. Sivakumar (minor) S/o
Shri R. " " "
8. Shri K. " " " "
9. Shri R. Kandasamy, S/o
Shri P. Radhakrishna Chettiar,
Kannankurichi, Salem district.

(Transferor)

- (2) 1. Shri S. N. Subramania Chettiar,
2. Shri S. N. Murugappan,
Ss/o Shri Nachiappa Chettiar,
3. Smt. S. N. K. M. Saraswathi Achi, W/o
Shri S. N. Kumarappan,
Sembanur Village Karaikudi,
Ramnad district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 9 acres 40 cents in survey Nos. 3/8 (5.21 acres) and 3/2 (4.19 acres), Pattipadi village, Yercaud, Salem district (with value of coffee from plantations) of 75-76 season.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 14-12-1976.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th December 1976

Ref. No. 47/APR/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3/2, 3/8, 3/5 and 3/6, situated at Pattipadi village, Yercaud (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yercaud (Doc. No. 58/76) on April, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Saraswathi Ammal, W/o
Shri P. Radhakrishna Chettiar,
2. Shri R. Kandasamy,
3. Shri R. Chandrasekaran,
Ss/o Shri P. Radhakrishna Chettiar,
4. Shri B. Natarajan,
5. Shri K. B. Ranganathan,
6. Shri K. B. Parthasarathy,
Ss/o Shri K. Balakrishnan Chettiar,
7. Shri N. Sanmugasundaram,
S/o Natarajan,
8. Shri R. Balakrishnan,
S/o K. B. Ranganathan,
9. R. Sivakumar (minor)
S/o K. B. Ranganathan,
Kannankurichi, Salem District.

(Transferor)

- (2) 1. Shri S. N. Subramania Chettiar,
2. Shri S. N. Murugappan,
Ss/o Shri Nachiappa Chettiar,
3. Smt. S. N. K. M. Saraswathi Achi, W/o
Shri S. N. Kumarappan,
Sembalur Village Karaikudi,
Ramanad district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 9 acres 45 cents in survey Nos. 3/5 (0.44 acres), 3/6 (2.62 acres), 3/8 (2.18 acres) and 3/2 (4.21 acres), Pattipadi village, Yercaud, Salem district (with value of coffee from plantations) of 75-76 season.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 14.12.1976.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th December 1976

Ref. No. 50/APR/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3/5 & 3/2 situated at Pattipadi village, Yercaud (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yercaud (Doc No. 57/76) on April, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Saraswathi Ammal,
2. Shri R. Kandasamy,
3. Shri R. Chandrasekaran,
4. Shri B. Natarajan,
5. Shri K. B. Ranganathan,
6. Shri K. B. Parthasarathy,
7. Shri N. Shanmugasundaram,
8. Shri R. Balakrishnan,
9. Shri R. Sivakumar (minor) by father & guardian K. B. Ranganathan, Kannankurichi, Salem district.

(Transferor)

- (2) 1. Shri S. N. Subramania Chettiar,
2. Shri S. N. Murugappan,
3. Smt. S. N. K. M. Saraswathi Achi, W/o Shri S. N. Kumarappan, Sembanur Village Karaikudi, Ramnad district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 9 acres 40 cents in survey Nos. 3/5 (5.21 acres) and 3/2 (4.19 acres), Pattipadi village, Yercaud, Salem district (with value of coffee from plantations), of 75-76 season.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 14-12-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 14th December 1976

Ref. No. 53/APR/76 77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3/6 & 3/2 situated at Pattipadi village, Yercaud (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yercaud (Doc. No. 56/76) on April, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Saraswathi Ammal,
2. Shri R. Kandasamy,
3. Shri R. Chandrasekaran,
4. Shri B. Natarajan,
5. Shri K. B. Ranganathan,
6. Shri K. B. Parthasarathy,
7. Shri N. Shanmugasundaram,
8. Shri R. Balakrishnan,
9. Shri R. Sivakumar (minor) by father & guardian
K. B. Ranganathan, Kannankurichi, Salem district.

(Transferor)

- (2) 1. Shri S. N. Subramania Chettiar,
2. Shri S. N. Murugappan,
3. Smt. S. N. K. M. Saraswathi Achi, W/o
Shri S. N. Kumarappan
Sembanur Village Karaikudi,
Ramanad district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 9 acres and 41 cents in survey Nos. 3/6 (5.22 acres) and 3/2 (4.19 acres), Pattipadi village, Yercaud, Salem District (with value of coffee from plantations), of 75.76 season.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 14.12.1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th December 1976

Ref. No. 27/APR/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 367/9 & 368/3 situated at Pudupalayam, Salem district (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Komarapalayam (Doc. No. 474/76) on April 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri P. Sukhraj,
S/o. Palani Kavundar,
Pudupalayam, Sankari taluk.

(Transferor)

(2) Shri Kolandana Kavundar,
S/o Velappa Kavundar,
Kurukkuparaiyur, Arasiramani,
Sankari taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.56 acres in survey Nos. 367/9 (0.46 acres) and 368/3 (2.10 acres), Pudupalayam village, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 15-12-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 17th December 1976

Ref. No. 32/MAY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANA-NATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 43/2 situated at Padaveedu village, Salem district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sankaridrug (Doc. No. 391/76) on May 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
18—396GI/76,

- (1) 1. Shri Nachimuthu Gavundar,
S/o Muthu Gavundar,
Pachanpalayam, Padaveedu village,
Sankari taluk.
2. Smt. Nallammal, W/o
Kandasamy Gavundar &
3. Shri K. Palanisamy S/o
Kandasamy Gavundar.

(Transferors)

- (2) Sbri Palani Gavundar,
S/o Perumal Gavundar,
Kinathukadu, Padaveedu village,
Sankari taluk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided half share (3.83 acres) in land measuring 7.66 acres in survey No. 43/2 with one well in Padaveedu village, Sankari taluk, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6,

Date : 17-12-1976,
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 17th December 1976

Ref. No. 46/MAY/1976-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 314/2A situated Sangagiri village, Salem district Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sankaridrug (Doc. No. 348/76) on May 1976 less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Kedayan (alias) Pacha Kavundar,
2. Shri Muthu Kavundar,
3. Shri Kannupayan,
4. Shri Pachiahnan,
5. Shri Rajupayan (minor) by father & guardian Shri Muthu Kavundar,
6. Shri Murugan (minor) by father & guardian Shri Pachiahnan,
7. Shri Chinnanna Kavundar,
8. Venkitachalam (minor) by father and guardian Shri Chinnanna Kavundar,
9. Shri Pachan (alias) Chinna Muthu Kavundar,
10. Shri Pachiahnan (minor) by father and guardian Shri Pachan,
11. Shri Sembulinga Kavundar,
12. Smt. Pachiammal, W/o Shri Vellayan,
13. Kum. Muthai, (minor) by father & guardian Shri Sembulinga Kavundar,
14. Shri Arumugam
15. Shri Palani Muthu (minor) by father & guardian Shri Arumugam,
Iyankattuvalavu, Sangagiri village, Salem District.
(Transferors)

- (2) Shri Palani Kavundar,
S/o Mari Kavundar,
Mottayankadu, Sangagiri village,
Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 2/3rd share in agricultural lands measuring 6.07 acres (with one well) in Survey No. 314/2A, Sangagiri village, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 17-12-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th December 1976

Ref. No. RAC No. 201/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-136/5 (Old 3-6-144/1) situated at Himayatnagar, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 21-4-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957) (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Khadija Begum D/o Saleh Badaam, residing at 3-6-136/5 to 12 at Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Razia Begum, W/o Rafiq Mohd. Khan, No. 154 of Nallagutta, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of the land with temporary basemcht bearing M No. 3-6-136/5 to 12 (Old No. 3-6-144/1) admeasuring 417 Sq. Yards situated at Himayatnagar, Hyderabad, and sold under document No. 730/76 registered in the Office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad on 21-4-1976.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-12-1976.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th December 1976

Ref. No. RAC No. 202/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-1-132 situated at Chinna Bazar, Kothagudem, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kothagudem, on April 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Vandanapu Nagarathnamma, W/o Shri Veeraiah, Kothagudem Maddigudem, Tq. Raghahapuram, Khammam-Dist. (Transferor)
- (2) 1. Sri Tutari Rangaiah, S/o Ramaiah, Maddigudem, Tq. Maddigudem Khammam-Dist.
2. Tutari Narayana, S/o Ramaiah, R/o Maddigudem, Maddegudem-Tq. Khammam-Dist. (Transferee)
- (3) Sri Syed Kaleem & Bros., Vegetable merchant, at Kothagudem. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6-1-132 situated at Chinna Bazar, Kothagudem, standing on an open plot of land admeasuring about 71 Sq. Mts. registered in the Office of the Sub-Registrar, Kothagudem, as Document No. 265/76 in the F.N. ended 30-4-1976.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-12-1976.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th December 1976

Ref. No. RAC No. 203/76-77.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Part of 5-2-655 situated at Kanteshwar Road, Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 26-4-1976,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Sri M. Anandam S/o M. Venkatrangayya Garu and Sri I. S. Sharma, S/o Laxmana Garu, I. T. Practitioner, Nizamabad
Through their constituted Attorney
Sri M. Simhachalam, Nizamabad.

(Transferor)

- (2) Sri Thakur Singh, S/o
Sri Ramsingh, C/o
M/s Ramsingh Mulsingh,
Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

One room of Madras Terrace roof with open space within compound wall situated on an area of 622 Sq. Yds. part of premises bearing municipal No. 5-7-655 situated at Kanteshwar Road, Nizamabad sold under document No. 467/76, registered in the Office of the Joint Sub-Registrar Nizamabad on 26th April—1976.

Boundaries mentioned hereunder :

East : Kanteshwar Road.

West : Premises of the Vendors.

North : Poice Ground.

South : Building of the Vendors.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-12-1976.

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Sri M. Anandam S/o M. Venkat Rangayya,
2. Sri I. S. Sharma S/o Laxman,
both R/o Kanteshwar Road, Nizamabad.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Sri Gahgadhar Rao, S/o Anant Rao,
R/o Magdi Villg. Armoor—Tq. Nizamabad Dist.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th December 1976

Ref. No. RAC No. 204/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-7-655 Part, situated at Kanteshwar Road, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 28-4-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Madras Terras House, part of the premises bearing Municipal No. 5-7-655 situate at Kanteshwar Road, Nizamabad admeasuring about 480 Sq. Yds. Sold under document No. 532/76 registered in the Office of the joint Sub-Registrar of Nizamabad on 28-4-1976.

Boundaries are mentioned hereunder :

- South By : Premises of the Vendors (Plot No. 12).
North By : Premises of the Vendors (Plot No. 10).
East By : Premises of Vendors.
West By : Premises of the Vendors (Plot No. 3).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-12-1976.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th December 1976

Ref. No. RAC No. 205/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part 5-7-655 situated at Kanteshwar Road, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 28-4-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Anandam, and Sri I. S. Sharma,
I.T. Practitioner,
R/o Nizamabad,
Through their constituted attorney
Sri M. Simhachalam, S/o M. Venkata Rangayya,
Nizamabad.

(Transferor)

(2) Sri Chandravadan S/o Gangadhar Rao,
R/o Magdi Villg. Armoor—Tq. Nizamabad, Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tin shed part of the premises bearing M. No. -5-7-655 situated at Kanteshwar Road, Nizamabad admeasuring an area of 264.58 Sq. Mts. sold under document No. 533/76 registered in the Office of the Joint Sub-Registrar of Nizamabad on 28th April 1976.

Boundaries mentioned hereunder :

South By : Road.

North By : Premises of Vendors (Plot No. 4)

East By : Premises of Vendors

West By : Police Head Quarters.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-12-1976.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Sri M. Anandam, S/o M. Vehkat Rangayya, and
Sri I. S. Sharma, S/o Laxman,
R/o Kanteshwar Road,
I.T. Practitioner, Nizamabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Sri Jayaram, S/o Anandam,
R/o Marredpally, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th December 1976

Ref. No. RAC No. 206/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

part of 5-7-655 situated at Kanteshwar Road, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nizamabad on 28-4-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tin-Shed part of premises M. No. 5-7-655 situated at Kanteshwar Road, Nizamabad, covering an area of 305.65 Sq. Mts. sold under document No. 534/76 registered in the Office of the Joint Sub-Registrar Nizamabad on 28th April 1976.

K. S. VENKATARAMAN.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-12-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 4th December 1976

C. R. No. 62/5943/76-77/ACQ./B.—Whereas, I, M HARIHARAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Premises bearing No. 566, situated at IIInd Cross Road, Robertsonpet, KGF, Robert Hobli, Bangarpet Tq. Kolar Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bangarpet, Kolar Dist. Doc. No. 76/76-77 on 8-4-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri M. Rahamathulla Khan,
S/o Hajee M. Khader Khan,
No. 3, Benson Cross Road,
Benson Town, Bangalore-46

(Transferor)

(2) Shrimati Sayadunnisa,
W/o S. Hameed Khan,
566, II Cross Road,
Robertsonpet, K.G.F.
Robertsonpet Hobli,
Bangarpet Taluk, Kolar Dist.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 76/76-77 Dated 8-4-1976]
All that piece and parcel of building consisting and vacant space, RCC roofing with overhead tank standing on the portion of Khatha No. 523 and assessment No. 566, II Cross, Robertsonpet, K.G.F. on the area measuring East to West 86'8" including the compound in the front, towards West and half right the wall in the Wall which is on the Eastern side to the length of 61' and North to South by 61' on the Eastern side and 66' on the Western side the vacant space on the Western side in the compound measuring East to West by 28 and North to South by 66' and on the Southern Side East to West by 40'6" and North to South by 7' within the above measurement the remaining portion namely East to West 56 ft. and North to South 44 ft. being the building portion and the entire properties bounded on the East by the building of Shri V. Murugan, on the West by IIInd Cross Road On the north by Krishnamurthy building and on the south by Lavelle Road with all waterways, drainage and easmentary rights attached thereto.

HARIHARAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-12-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 4th December 1976

C.R. No. 62/5953/76-77/Acq/B.—Whereas, I, M. HARIHARAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 79/8, situated at III Block, Jayalakshmpuram, Mysore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Head Quarters Sub-Registrar, Mysore Document No. 65/76-77 on 22-4-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. B. R. Radhamani, W/o Sri B. R. Ramaswamy, 2. Sri B. R. Ramaswamy, S/o B. Ramanuja Iyengar, 3. Sri B. R. Nandakishore S/o No. 1 and (2) above, 4. Master B. R. Raghunandan 5. Master B. R. Udayakumar 6. Miss Mythili (Minors) Children of No. 1 & 2 above and represented by their father Shri B. R. Ramaswamy. All residing at : No. 3622/5, Umarchayam Road, Mundi Mohalla, Mysore.

(Transferors)

- 2) Shri S. N. Parthasarathy, S/o Late R. Srinivasa Narasimhachar, No. 212, Narayana Sastry Road, K. R. Mohalla, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 65/76-77 Dated : 22-4-1976)

House property bearing No. 79/8, III Block, Maternity Hospital Road, Jayalakshmpuram, Vani Vilas Mohalla, Mysore-2.

Site Area : East to West = 74 ft.
North to South = 51½ ft. } 3811 Sq. ft.

Plinth : 10 squares as per form No. 37G

Boundries : East : Road,

West : Vacant site,

North : Road and

South : Private house bearing No. 78/7 belonging to Sri Shivappa.

M. HARIHARAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Bangalore.

Date : 4-12-1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Mysore Tin Works, Represented by its partner
Shri Manordas Madhavji, No. 1564/3, Nagappa
Block, Srirampuram, Bangalore-560 021.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

- (2) Shri Jethmal Chordia, S/o Ganeshmal Chordia, 6th
Cross, Gandhinagar, Bangalore-560 009.

(Transferee)

Bangalore-560 001, the 3rd December 1976

C.R. No. 62/5956/76-77/ACQ/B.—

Whereas, I, M. Hariharan,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000
and bearing No.

Premises bearing No. 45, situated at 4th Cross Road,
Gandhinagar, Bangalore-9,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Gandhinagar, Bangalore, Document No. 90/76-77 on 10-5-76,
10-5-1976,

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any monies or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 90/76-77 Dated 10-5-1976]

Premises bearing No. 45, situated at 4th Cross Road, Gan-
dhinagar, Bangalore-9 being part and parcel of old municipal
No. 66/1 and 66/2 (old No. 116 & 117).

Boundries : East = Road.

West = Premises No. 45/A owned by Maha-
veerchand and Premchand Chordia (this day).

North = Road and

South = Private property now known as Moti
Mahal.

M. HARIHARAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 3-12-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 3rd December 1976

C.R. No. 62/5957/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, M. HARIHARAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Premises bearing door No. 45/A situated at 4th Cross Road, Gandhinagar, Bangalore-9, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bilore, Doc. No. 91/76-77 on 10-5-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Mysore Tin Works, represented by its partner, Shri Manordas, Mudhavji, 1564/3, Nagappa Block, Srirampuram, B'lore-560021.

(Transferor)

(2) 1. Mahaveer Chand 2. Premchand Chordia, Sons of Jethmal Chordia, 6th Cross, Gandhinagar, Bilore-560009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 91/76-77 Dated 10-5-76)

Premises bearing Door No. 45/A (without the garage) situated at 4th Cross Road, Gandhinagar, B'lore-9 being part and parcel of old Municipal Door No. 66/1 and 66/2 (old Nos. 116 and 117).

Boundaries : E : Municipal Door No. 45, Owned by Jethmal Chordia (this day).

W : Municipal Door No. 46, Owned by Jyotsna-ben Manordas Valia,

N : Road and

S : Private Property known as Moti Mahal.

M. HARIHARAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 3-12-76.

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. M. S. Prasad, 807, Asia House, Curzon Road, New-Delhi. 2. M. S. Ramarao, London G.P.A. Holder Sri M. S. Prasad.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

- (2) Smt. Namuduri Seshamma, W/o Late Venkatarao, 46-17-36, Danavaipeta, Rajahmundry.

(Transferee)

- (3) 1. M. V. K. L. N. Raju, Ashok Talkies, Rajahmundry, 2. D. Laxmi, Rajahmundry.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 14th December 1976

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Acq.File. No. 371.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 46-17-36, situated at Main Road, Danavaipeta, Rajahmundry, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 1st April 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1316/76 registered before the sub-registrar, Kakinada during the fortnight ended on 30-4-1976.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 14-12-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) E. S. Ahdrades.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Hindmata Cutpiece Merchants Asso. Coop. H.S.L.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

SMT. KGMP. AYURVEDICK HOSPITAL BLDG.
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th December 1976

Ref. No. AR-I/1641-5/Mr.76.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 8 of Dadar & Nigaum Division S.N. 1957, 1962, situated at Junction of Dr. B. Ambedkar Road and D. Phalke Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-4-76,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of vacant land or ground situated at Dadar Road (known as Dr. Babasaheb Ambedkar Road, Parcel, in the City and Sub-Registration District of Bombay admeasuring 4683.13 square yards equal to 3915.70 square metres or thereabouts (being a portion of a larger land admeasuring formerly 13456 square yards equal to 11280.96 square metres or thereabouts) and being Laughton's Survey No. 1962 and Cadestral Survey No. 8 of Dadar Naigon Division and a portion of piece of land admeasuring 116563.63 square yards equal to 97462.36 square metres and bearing Laughton's Survey No. 1957 and Cadestral Survey No. 8 of Dadar Naigaum Division and bounded as follows : that is on or towards the East by the said Dr. Ambedkar Road on or towards the west by the land of the Tata Mills containing underground reservoir and pump room on or towards the North by the remaining portion of the larger piece of land admeasuring 13456 square yards and bearing Laughton's Survey No. 1962 and on the South by other land of Tata Mills containing a Road and main office building, Time Office, Stores, Oil Godowns, Garages and other structures and which piece of land is delineated on the plan thereof hereto annexed and thereon shown shaded pink,

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 15-12-1976.

Seal :

SUBORDINATE SERVICES COMMISSION
GRADE D STENOGRAPHERS' COMPETITIVE
EXAMINATION, APRIL, 1977

New Delhi, the 1st January 1977

No. 13/4/76-E.A.—Subordinate Services Commission, New Delhi will hold at Bombay, Calcutta, Delhi, Madras, Nagpur and at selected Indian Missions abroad a limited departmental competitive examination commencing on 16th April, 1977, for recruitment to temporary vacancies in Grade D of Central Secretariat Stenographers' Service, Grade D of Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Grade III of Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B), and for posts of Grade III Stenographers' in the Department of Parliamentary Affairs

2. *Conditions of eligibility*.—Must be regularly appointed officer of C.S.C.S./A.F.H.Q. Clerical Service/Grade VI or V of IFS (B/Lower/Upper Division Clerk in the Department of Parliamentary Affairs, satisfying following conditions :—

- (a) *Length of Service* : Must have, on 1st January, 1977, rendered not less than two years' approved and continuous service in Lower/Upper Division Grade or equivalent Grade of the service concerned.

- (b) *Age* : Not more than 45 years on 1st January, 1977. Upper age limit relaxable for Scheduled Castes/Scheduled Tribes and certain other specified categories.

3. *Fee* : Rs. 8/- (Rs. 2/- for SCs/STs).

4. Full particulars and application forms obtainable from Subordinate Services Commission, West Block I, R. K. Puram, New Delhi-110022 by remitting Re. 1/- (Rs. 2/- if despatch of application form is desired by Recorded Delivery System, by means of crossed (A/c Payee) Indian Postal Orders payable to Subordinate Services Commission at R. K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi or on cash payment at sale counter in Commission's Office.

5. Completed application forms must reach the Commission by 31st January, 1977 (14th February, 1977 for candidates residing abroad or in Andaman and Nicobar Islands or in Lakshdweep).

O. P. BANSAL
Secy.

